छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

जिले का प्रथम दैनिक समाचार पत्र स्थापना वर्ष 2020

E-mail: eksatbulletin@gmail.com | गौरेला पेंड्रा मरवाही, रविवार 04 अक्टूबर 2026 | वर्ष-07, अंक-95 पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए | Website: www.eksatbulletin.in

न्यूज इन शॉर्ट

रक्षा सहयोग से हिन्द महासागर तक- 5 दिन तक भारत में अमेरिका का ये बड़ा अधिकारी



नई दिल्ली। पैसिफिक कमांड के एडमिरल सैमुअल पापारो भारत दौरे पर हैं। यात्रा का मकसद भारत-अमेरिका रक्षा साझेदारी को मजबूत करना, सैन्य सहयोग बढ़ाना और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में रणनीतिक स्थिरतासुनिश्चित करना है। यूएस पैसिफिक कमांड के कमांडर एडमिरल सैमुअल जे। आगे बढ़ाना और दोनों सेनाओं के बीच सहयोग मजबूत करना है। इस दौरान दोनों देशों के बीच डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, उभरती तकनीक और रणनीतिक स्थिरता जैसे अहम मुद्दों पर उच्चस्तरीय चर्चा होगी।
जानकारी के मुताबिक एडमिरल पापारो भारतीय समकक्षों के साथ क्षेत्रीय सुरक्षा प्राथमिकताओं पर चर्चा करेंगे।

हंजर बायोटेक लोन घोटाला-93 करोड़ की धोखाधड़ी पर सीबीआई का शिकंजा



नई दिल्ली। इसके बाद कंपनी ने 2009 में अपनी वित्तीय स्थिति और परियोजनाओं का विवरण देकर करीब 350 करोड़ रुपये की टर्म लोन सुविधा की मांग की। 9 नवंबर 2009 को बैंक की शाखा प्रबंधन समिति की सिफारिश पर कंपनी को 75 करोड़ रुपये का अतिरिक्त टर्म लोन मंजूर किया गया। इसके अलावा वर्ष 2010 में तत्कालीन ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स ने भी 50 करोड़ रुपये का टर्म लोन मंजूर किया। 13 परियोजनाओं के लिए 350 करोड़ रुपये की प्रस्तावित टर्म लोन सुविधा पूरी तरह वितरित की गई थी।

एआई से लैस होगी इंडियन एयरफोर्स, एयर चीफ ने बताया क्यों जरूरी है बदलाव



नई दिल्ली। एयरफोर्स चीफ एपी सिंह ने एआई से लैस वायुसेना बनाने पर जोर दिया। उन्होंने स्वदेशी एयर एसेट्स, नए एयरक्राफ्ट की डिलीवरी और ड्रोन को मौजूदा मिलिट्री स्ट्रक्चर में शामिल करने की बात कही। एयरफोर्स चीफ एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने कहा कि भारतीय वायुसेना को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंससे लैस फोर्स बनाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि युद्ध का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। ऐसे में वायुसेना को अधिक सक्षम और भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार बनाने के लिए ड्रू और नई तकनीकों का इस्तेमाल बढ़ाना होगा। एयरफोर्स चीफ एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने भारतीय वायुसेना की ताकत बढ़ाने में आत्मनिर्भरता की अहमियत पर जोर दिया। उन्होंनऔर आधुनिक सैन्य क्षमताओं को मजबूत करने की जरूरत पर भी जोर दिया।

265 फ्लाइट के नवी मुंबई एयरपोर्ट शिफ्ट करने के आदेश पर भड़कीं प्रियंका चतुर्वेदी



नई दिल्ली। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल 1 (अ1) की मरम्मत के चलते 265 उड़ानों को नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर स्थानांतरित करने के फैसले का विरोध शुरू हो गया है। शिवसेना (यूबीटी) की पूर्व राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने इस आदेश पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए हवाई कनेक्टिविटी और यात्रियों को होने वाली असुविधाओं पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।प्रियंका चतुर्वेदी ने इस स्थिति को यात्रियों के लिए असमंजस भरा बताते हुए कहा कि यह निर्णय बिना उचित इंफ्रास्ट्रक्चर तैयारी के लिया गया है।

सेवा सेतु अभियान-सरकार आपके द्वार शिविर में 17 दिन के शिशु का बना जाति प्रमाण पत्र

किसी को मिली अपने पक्के आवास की चाबी, तो किसी को आबादी पट्टा और सहायता राशि

कटरा में आयोजित जिला स्तरीय शिविर बना ग्रामीणों तक योजनाओं और सेवाओं को पहुंचाने का सशक्त माध्यम

एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला पेंड्रा मरवाही

सेवा सेतु अभियान के तहत 'सरकार आपके द्वार' की परिकल्पना मरवाही विकासखंड के ग्राम पंचायत कटरा में आयोजित जिला स्तरीय शिविर में साकार होती दिखाई दिया। शिविर में एक ओर महज 17 दिन के शिशु का जाति प्रमाण पत्र बनाकर परिवार को महत्वपूर्ण शासकीय दस्तावेज उपलब्ध कराया गया, तो दूसरी ओर वर्षों से अपने पक्के घर का सपना संजोए हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास की चाबी सौंपी गई। किसी को आबादी पट्टा मिला, किसी को आर्थिक सहायता, तो जरूरतमंदों को स्वास्थ्य संबंधी सहायक सामग्री और आयुष्मान कार्ड प्रदान किए गए। विधायक श्री प्रणव कुमार मरपची के मुख्य आतिथ्य में आयोजित शिविर से कटरा सहित आसपास की 14 ग्राम पंचायतों-कटरा, बेलझिरिया, उषाड़, धुम्माटोला, बरौर, टिकठी, बगरार, तेंदूमूड़ा, कछार, चनाडोंगरी, चंगेरी, परासी, धनौरा एवं मनौरा के ग्रामीणों को शासन की विभिन्न योजनाओं और सेवाओं का लाभ मिला।



17 दिन के शिशु से लेकर जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचा योजनाओं का लाभ

शिविर की खास उपलब्धि रही कि राजस्व एवं स्कूल शिक्षा विभाग के समन्वय से प्राथमिक विद्यालय के 23 बच्चों को जाति प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। वहीं, महज 17 दिन के शिशु का जाति प्रमाण पत्र तैयार किया गया। कम उम्र में ही आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध होने से भविष्य में शासकीय योजनाओं एवं सुविधाओं का लाभ लेने में परिवार को सहूलियत होगी। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 5 हितग्राहियों को आवास की चाबी सौंपी गई। स्वामित्व योजना के तहत 8 हितग्राहियों को आबादी पट्टा प्रदान किया गया। इसी तरह आकाशी बिजली से दम्पति की मृत्यू होने पर आरबीसी 6-4 के तहत मृतकों के पुत्र को चार-चार लाख रुपये की सहायता राशि के चेक प्रदान किए गए।

गोद भराई और अन्नप्राशन ने जोड़ा आत्मीयता का रंग

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा शिविर में 5 गर्भवती महिलाओं की गोद भराई और 5 बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार कराया गया। उत्कृष्ट सेवाओं के लिए 10 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया गया। एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों की सेवाएं मिलने से ग्रामीणों को अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर लगाने के बजाय अपने गांव के नजदीक ही आवेदन प्रस्तुत करने, समस्याएं बताने और पात्रतानुसार योजनाओं का लाभ प्राप्त करने का अवसर मिला। इस तरह कटरा का जिला स्तरीय शिविर 'सरकार आपके द्वार' की भावना को धरातल पर उतारते हुए जनसुविधा और त्वरित सेवा प्रदाय का प्रभावी माध्यम बना। शिविर में जिला पंचायत सीईओ श्री मुकेश रावटे, प्रभारी अपर कलेक्टर सुश्री गणमान्यनागरिक एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे।

आर्थिक पाबंदियां अब हथियार की तरह इस्तेमाल हो रहीं, पीएम के मुख्य सचिव ने जताई चिंता

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

पीएम मोदी के प्रधान सचिव पीके मिश्रा ने बिना नाम लिए अमेरिका पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि पाबंदियां, प्रतिबंध और आयात शुल्क अब आर्थिक नीतियों के हथियार बन गए हैं।
निर्यात पर पाबंदियां, प्रतिबंध और आयात शुल्क अब आर्थिक नीतियों के साधन बन चुके हैं और कभी-कभी इनका इस्तेमाल हथियार की तरह भी किया जाता है। प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव पीके मिश्रा ने ये बात कही है। उन्होंने यह भी कहा कि युद्ध ऊर्जा और खाद्य बाजारों को अस्त-व्यस्त कर देते हैं, जबकि समुद्री रास्ते और रणनीतिक भौगोलिक मार्ग आर्थिक दृष्टि से संवेदनशील बन जाते हैं।
दरअसल, कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन में 'ए वर्ल्ड प्राइस्ड फॉर रिस्क' विषय पर उन्होंने कहा कि भारत ऊर्जा का एक बड़ा आयातक देश है और किसी भी महत्वपूर्ण समुद्री रास्ते में लंबे समय तक आने वाली रुकावट अर्थव्यवस्था पर बुरा असर डाल सकती है। इसलिए भारत ने सुरक्षा के कई स्तरों को मिलाकर अपनी रणनीति तैयार की है। उन्होंने कहा, 'ऊर्जा सुरक्षा के लिहाज से होर्मुज स्ट्रेट के आसपास की बाधाएं इस बात की साफ याद दिलाती हैं कि भूगोल किस तरह आर्थिक जोखिम में बदल सकता है'।

बिना नाम लिए अमेरिका पर साधा निशाना

किसी देश का नाम लिए बिना उन्होंने कहा कि निर्यात प्रतिबंध, आर्थिक पाबंदियां और शुल्क अब आर्थिक नीतियों के साधन बन गए हैं तरह आजमाया जाता है।



भारत 43 देशों से खरीदता है कच्चा तेल

उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि भारत जिन देशों से कच्चा तेल खरीदता है, उनकी संख्या 27 से बढ़कर 43 हो गई है, जो अपने आप में एक बड़ा बदलाव है। उन्होंने आगे कहा, 'यही बात स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में आगे बढ़ने पर भी लागू होती है। नवीकरणीय ऊर्जा, परमाणु ऊर्जा, भंडारण और उससे जुड़ी तकनीकों में घरेलू क्षमता बढ़ाना केवल पर्यावरण के लिए ही जरूरी नहीं है, बल्कि बाहरी झटकों के असर को कम करने के लिए भी जरूरी है'।
प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव ने कहा कि एक और उदाहरण महत्वपूर्ण खनिजों और रणनीतिक औद्योगिक कच्चे माल का है, जहां कार्यक्षमता और मजबूती के बीच का अंतर महत्वपूर्ण हो जाता है। पीके मिश्रा ने कहा कि भारत ने राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन के जरिए घरेलू स्तर पर खोज,प्रोसेसिंग और री-साइकिलिंग को मजबूत करने के कदम उठाए हैं।

पुरुष हॉकी फाइनल में भारत 3-1 से आगे

एशियाड में भारत को 20वां गोल्ड:रेसलर अमन सहरावत ने सोना जीता

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

भारत ने एशियन गेम्स में 20वां गोल्ड मेडल जीत लिया है। रेसलर अमन सेहरावत ने पुरुषों के 57 द्वद्द में सोना जीता। यह शनिवार को भारत का चौथा गोल्ड मेडल है।इससे पहले टीम इंडिया ने मेंस क्रिकेट, प्रणवी उर्स ने गोल्फ और 17 साल की कुमकुम मोहोद ने तीरंदाजी में स्वर्ण पदक जीते। भारत 83 मेडल के साथ मेडल टैली के 5वें स्थान पर है।
पुरुष हॉकी के फाइनल में भारतीय टीम मलेशिया के खिलाफ 3-1 से आगे है। कप्तान हरमनप्रीत सिंह और जुगराज ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल दागे।मलेशिया के 14वें मिनट में शेलो सिल्वरियस ने एक गोल किया। 42वें मिनट में हार्दिक ने पेनल्टी स्ट्रोक पर गोल किया।



रेसलिंग = अंतिम गोल्ड मेडल मैच में 0-2 से पिछड़ी
महिलाओं के 53 किग्रा फाइनल में जापान की मोए कियोका ने शुरुआत में ही अंतिम पंघाल का लेग टेकडाउन कर उन्हें मैट से बाहर किया और एक अंक हासिल किया। इसके बाद भी दोनों के बीच ज्यादा एक्शन नहीं हुआ।
अंतिम ने लेग अटैक की तीन बार कोशिश की, लेकिन कियोका हर बार बच निकलीं। अंतिम को पैसिविटी के लिए चेतावनी के बाद कियोका को एक और अंक मिला। पहले पीरियड के बाद कियोका 2-0 से आगे हैं।

अधिकारियों ने बताया

सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन मामले में पुलिस की कार्रवाई



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे मांग को लेकर दिल्ली, मुंबई, पटना और अन्य शहरों में शुक्रवार (2 अक्टूबर) को जोरदार प्रदर्शन हुआ, जिसमें विपक्षी दलों के नेताओं समेत हजारों लोगों ने भाग लिया। इस बीच खबर है कि दिल्ली में CEC ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रोटेस्ट मामले में FIR दर्ज की है।पुलिस के मुताबिक जंतर-मंतर पर बिना अनुमति प्रदर्शन करने के मामले में अज्ञात के खिलाफ तीन FIR दर्ज की हैं। बताया जा रहा है कि इनमें एक FIR कनॉट प्लेस थाने में दर्द हुई है, वहीं दो संसद मार्ग थाने में दर्ज की गई हैं।अधिकारियों ने बताया कि FIR में भारतीय न्याय संहिता (की धारा 223 के तहत लोक सेवक द्वारा विधिवत जारी आरोपियों के कॉलम में किसी व्यक्ति या संगठन का नाम नहीं है, लेकिन प्रदर्शनों का प्रस्ताव रखने वाले और उनमें भाग लेने वाले आयोजकों और संगठनों का जिक्र FIR की सामग्री में है।



तिरुपति की फार्मा कंपनी में बॉयलर फटा, 5 की मौत

तिरुपति। आंध्र प्रदेश के तिरुपति में श्री सिटी की एक फार्मा कंपनी में बॉयलर फट गया। हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई है। वहीं, 10 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं।घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है। धमाकों के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस जांच कर रही है। धमाका इतना तेज था कि बिल्डिंग का हिस्सा मलबे में तब्दील हो गया।सत्यवेडु मंडल में हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और इमरजेंसी सर्विस टीमें मौके पर पहुंची और राहत-बचाव का काम शुरू किया।एक अधिकारी के मुताबिक, बॉयलर फटने की सही वजह अभी पता नहीं चली है। अधिकारी यह जांच कर रहे हैं कि हादसा तकनीकी खराबी, सुरक्षा व्यवस्था में चूक, संचालन संबंधी लापरवाही या किसी अन्य कारण से हुआ।

हरियाणा से होगी शुरुआत

बीजेपी शासित राज्यों के मंत्रियों-विधायकों से पीएम मोदी की मुलाकात

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

एक नई पहल की शुरुआत करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बीजेपी शासित राज्यों के मंत्रियों/विधायकों से मुलाकात और बातचीत का सिलसिला आज से शुरू करेंगे। इस सिलसिले में आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से हरियाणा के बीजेपी मंत्री, विधायक आज शाम 4 बजे मुलाकात करेंगे। ये बैठक शाम चार बजे से लेकर 6 बजे तक प्रधानमंत्री के साथ चलेगी। हरियाणा के बीजेपी विधायकों का पीएम के साथ सीधा संवाद होगा, जिसमें मुख्यमंत्री और सभी मंत्री भी मौजूद रहेंगे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, बीजेपी की प्रदेश अध्यक्ष अर्चना गुप्ता और सभी मंत्री भी मौजूद रहेंगे।



पीएम मोदी से मुलाकात के पहले होगा लंच

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और नई बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष डॉ। अर्चना गुप्ता के नेतृत्व में ये मुलाकात होगी। 2014 के बाद ऐसा पहली बार हो रहा है पीएम मोदी हरियाणा के सभी पार्टी विधायकों से सीधे बातचीत करेंगे। उनके साथ सामूहिक रूप से मुद्दों पर चर्चा करेंगे। हरियाणा की इस बैठक से पहले दिल्ली में हरियाणा भवन में एक लंच का भी आयोजन किया गया है।इस समय यहां मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के साथ तमाम बड़े नेता और मंत्री लंच करेंगे। लंच के दौरान राज्य की प्रशासनिक स्थिति और आगे के कामों के लिए एजेंडे तय किए जा सकते हैं।गुरुग्राम के विधायक मुकेश शर्मा पहलवान ने बैठक से पहले कहा कि पार्टी के विधायक और दूसरे पदों पर काम करनने वाले अपनी पार्टी के नेता हमेशा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आशीर्वाद और मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए उत्सुक रहते हैं। यह मीटिंग उन सभी के लिए सुनहरा मौका होगा। पटौदी की विधायक बिमला देवी का कहना है कि उनके लिए यह एक ऐतिहासिक पल होगा। अभी तक कार्यक्रमों के माध्यम से ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने का सौभाग्य मिला।

न्यूज इन शॉर्ट



नौनिहाल छात्रवृत्ति बनी बिलाईगढ़ की बेटी की उम्मीद

रायपुर। जब सरकार की कल्याणकारी योजनाएं सही समय पर ज़रूरतमंदों तक पहुँचती हैं, तो वे केवल आर्थिक सहायता नहीं बनतीं, बल्कि किसी के टूटते सपनों को जोड़ने का आधार बन जाती हैं। ऐसी ही एक उम्मीद भरी कहानी छत्तीसगढ़ के सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के ग्राम झुमका विकासखंड बिलाईगढ़ से सामने आई है, जहाँ 'नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना' ने एक श्रमिक परिवार की बेटी की शिक्षा को नया संबल दिया है। ग्राम झुमका की निवासी फुलेश्वरी साहू अपने परिवार के सीमित संसाधनों के बावजूद बच्चों को बेहतर शिक्षा देकर जीवन में आगे बढ़ते देखना चाहती हैं। लेकिन आर्थिक तंगी के कारण अक्सर बच्चों की पढ़ाई लिखाई से जुड़ी छोटी-छोटी जरूरतें भी चिंता का कारण बन जाती थीं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और श्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन के मार्गदर्शन में संचालित छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल की नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना इस परिवार के लिए तारणहार बनकर आई। योजना के तहत पंजीकृत श्रमिक परिवार की पात्रता के आधार पर फुलेश्वरी साहू की बेटी को 3,000 रुपये की छात्रवृत्ति राशि सीधे प्रदान की गई। यह सहायता राशि बेटी की कॉपियों, किताबों और पढ़ाई की अन्य आवश्यक सामग्रियों को जुटाने में बेहद उपयोगी साबित हुई।

श्रीमती फुलेश्वरी साहू कहती हैं कि सरकार से मिली 3 हजार रुपये की यह मदद केवल एक राशि नहीं, बल्कि मेरी बेटी के उज्ज्वल भविष्य का सहारा है। इससे हमारा यह हौसला बढ़ा है कि आर्थिक तंगी चाहे जैसी भी हो, हमारी बेटी पढ़ाई जारी रखेगी और अपने सपनों को पूरा करेगी। इस सहयोग के लिए हम राज्य सरकार के हृदय से आभारी हैं।कलेक्टर के निर्देशन में जिला प्रशासन यह सुनिश्चित कर रहा है कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का सीधा और त्वरित लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे। संबंधित विभागों के माध्यम से पात्र श्रमिक परिवारों को चिन्हांकित कर उन्हें लगातार इन योजनाओं से जोड़ा जा रहा है, ताकि शिक्षा और विकास की दौड़ में कोई भी बच्चा पीछे न छूटे। नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना आज प्रदेश के अनगिनत श्रमिक परिवारों के बच्चों के सपनों को पंख दे रही है और यह साबित कर रही है कि संवेदनशील सरकार का साथ हो, तो हर चुनौती आसान हो जाती है।

गुणवत्ताहीन निर्माण और भ्रष्टाचार की शिकायत की जांच के लिए लोक निर्माण विभाग ने जांच समिति गठित की

रायपुर। लोक निर्माण विभाग ने राजनांदगांव-खैरागढ़ मुख्य मार्ग के नवीनीकरण एवं उन्नयन कार्य तथा राजनांदगांव-मोहला-मानपुर सड़क परियोजनाओं में कथित गुणवत्ताहीन निर्माण और भ्रष्टाचार की शिकायत की जांच के लिए चार वरिष्ठ अधिकारियों की समिति बनाई है। समिति निर्माण कार्यों के विभिन्न पहलुओं और शिकायत की जांच कर तीन दिनों में प्रमुख अभियंता को रिपोर्ट सौंपेगी। जांच समिति में मुख्य अभियंता श्री व्ही.एस. कोरम, अधीक्षण अभियंता श्री राजीव नशीने तथा कार्यपालन अभियंता श्री प्रभात सक्सेना और श्री सी.एस. ओगरे शामिल हैं।
लोक निर्माण विभाग द्वारा गठित जांच समिति राजनांदगांव-खैरागढ़ सड़क एवं राजनांदगांव-मोहला-मानपुर सड़क परियोजनाओं की किसी स्वतंत्र संस्था से उच्च स्तरीय जाँच कराने, जीएसबी (ग्रेनुलर सब-बेस), डब्लूएमएम सब-ग्रेड, डामरीकरण, बिटुमिन की मात्रा, सड़क की मोटाई, घनत्व, ग्रेडेशन, लेवल एवं अंडुलेशन सहित सभी तकनीकी मानकों की प्रयोगशाला से जांच जैसी बिंदुओं पर जांच करेगी।समिति निर्माण कार्य की गुणवत्ता के लिए उत्तरदायी अधिकारियों एवं कार्यपालन एजेंसी की भूमिका, जांच पूर्ण होने तक संबंधित कार्यों के भुगतान पर रोक लगाने पर विचार करने, गुणवत्ता से समझौता, वित्तीय अनियमितता या भ्रष्टाचार सिद्ध होने पर संबंधितों के विरूद्ध कार्यवाही तथा डोंगरगांव-कुमरदा सहित जिन स्थानों पर सड़क उखाड़कर छोड़ी गई है।

सशक्त एमसीबी-सेवा संकल्प अभियान के तहत प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम ने किया दिव्यांग विद्यालय का औचक निरीक्षण

सशक्त एमसीबी-सेवा संकल्प अभियान के तहत प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम ने किया दिव्यांग विद्यालय का औचक निरीक्षण

नेत्रहीन बच्चों की प्रतिभा से प्रभावित हुए प्रभारी मंत्री, संस्था को एक लाख रुपये की सहायता देने की घोषणा

संवाददाता ➤ रायपुर



सशक्त एमसीबी-सेवा संकल्प अभियान के तहत प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम ने किया दिव्यांग विद्यालय का औचक निरीक्षण सशक्त एमसीबी-सेवा संकल्प अभियान के तहत प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम ने किया दिव्यांग विद्यालय का औचक निरीक्षण सशक्त एमसीबी-सेवा संकल्प अभियान के तहत प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम ने किया दिव्यांग विद्यालय का औचक निरीक्षण सशक्त एमसीबी-सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले में जनसेवा, संवेदनशीलता और जरूरतमंदों तक सुविधाओं की पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में निरंतर पहल की जा रही है। इसी क्रम में गांधी जयंती के अवसर पर जिले के प्रभारी एवं कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने मनेन्द्रगढ़ स्थित एमसीबी जिला नेत्रहीन, विकलांग शिक्षण-प्रशिक्षण विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालय की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और दिव्यांग बच्चों से आत्मीय संवाद कर उनकी पढ़ाई, भोजन, आवासीय सुविधाओं एवं उपलब्ध संसाधनों की जानकारी ली।

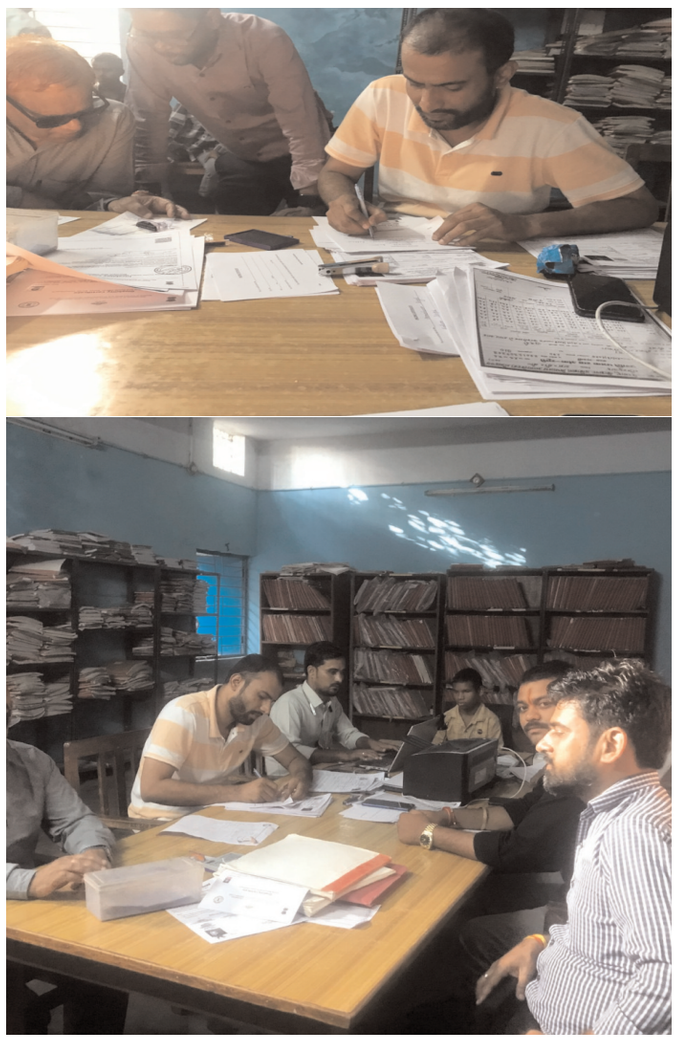
बच्चों की प्रतिभा, आत्मविश्वास और उत्साह से प्रभावित होकर प्रभारी मंत्री ने संस्था के संचालन एवं आवश्यक व्यवस्थाओं में सहयोग के लिए एक लाख रुपये की सहायता देने की घोषणा की। साथ ही बच्चों के लिए साउंड सिस्टम बॉक्स तथा फल-फूल भी भेंट किए। इस दौरान उन्होंने संस्था की आवश्यक मूलभूत सुविधाओं को बेहतर करने के निर्देश भी दिए।इस अवसर पर नगर पालिका परिषद मनेन्द्रगढ़ की अध्यक्ष श्रीमती प्रतिमा यादव, उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र पटवा, कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े, पुलिस अधीक्षक रत्ना सिंह, जिला पंचायत सीईओ अंकिता सोम, पूर्व संसदीय सचिव श्रीमती चंपादेवी पावले, एसडीएम लिंगराज सिदार, तहसीलदार श्रुति धुर्वे, जिला संगठन प्रभारी एमसीबी बाबूलाल अग्रवाल, संस्कार अग्रवाल, प्राचार्य संतोष चढ़ोकर, शिक्षक राकेश गुप्ता, गोपाल तिवारी, रामनाथ, रामनारायण सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वागत गीत और सुंदरकांड की चौपाई से भावुक हुए अतिथि

विद्यालय पहुंचने पर नेत्रहीन बच्चों ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर प्रभारी मंत्री सहित सभी अतिथियों का अभिनंदन किया। बच्चों ने संगीत के साथ रामायण का पाठ प्रस्तुत किया और सुंदरकांड की चौपाई सुना कर सभी का मन मोह लिया। इसके साथ ही बच्चों ने जीव-जंतुओं की अलग-अलग आवाजें निकालकर अपनी विशेष प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बच्चों की प्रस्तुति में आत्मविश्वास, अनुशासन और प्रतिभा देखकर उपस्थित अतिथियों ने उनकी सराहना की।

बच्चों की प्रतिभा से प्रभावित प्रभारी मंत्री ने कहा कि उनके लिए यह अवसर बेहद भावुक और यादगार है।

सेवा संकल्प अभियान 2026 के तहत नेत्रहीन विद्यालय आमाखेरवा में दिव्यांगजन मूल्यांकन शिविर आयोजित



संवाददाता ➤ एमसीबी

'सेवा संकल्प अभियान 2026' के अंतर्गत 03 अक्टूबर 2026 को नेत्रहीन विद्यालय, आमाखेरवा में समाज कल्याण विभाग द्वारा एक दिवसीय विशेष दिव्यांगजन मूल्यांकन शिविर का आयोजन किया गया। यह विद्यालय समाज कल्याण विभाग द्वारा अनुदान प्राप्त है। शिविर का मुख्य उद्देश्य दिव्यांग छात्र-छात्राओं को आधुनिक तकनीकी उपकरणों से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सहायता प्रदान करना था। शिविर में एलिमकोकानपुर तथा समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस दौरान विशेष रूप से दृष्टिबाधित (नेत्र बाधित) छात्र-छात्राओं का उनकी पात्रता के अनुसार गहन मूल्यांकन किया गया। पात्रता परीक्षण के उपरांत विद्यार्थियों के लिए विभिन्न आधुनिक उपकरणों हेतु पंजीकरण किया गया। इनमें ब्लाइंड टैब (डिजिटल शिक्षा को सुलभ बनाने के लिए; स्मार्टफोन, आधुनिक संवाद एवं पठन-पाठन के लिए; तथा सेंसर्स और ब्रेल केन (, सुरक्षित आवाजाही एवं स्वतंत्रता के लिए शामिल हैं। इस अवसर पर अधिकारियों ने बताया कि इस प्रकार के अभियानों से दिव्यांगजन मुख्यधारा से जुड़ेंगे तथा शिक्षा के क्षेत्र में आने वाली बाधाओं को दूर करने में सहायता मिलेगी। शिविर में आए छात्र-छात्राओं एवं उनके अभिभावकों ने इस कल्याणकारी पहल के लिए समाज कल्याण विभाग और एलिमको कानपुर का आभार व्यक्त किया।

मेहनत और लगन से प्रतिभाओं ने बढ़ाया परिवार व समाज का गौरव- उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कौशिक समाज की प्रतिभाओं का किया सम्मान

प्रतिभाओं का उत्साहवर्धन कर मेहनत और लगन से आगे बढ़ने का किया प्रेरित

संवाददाता ➤ रायपुर



उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा कबीरधाम जिले के ग्राम जिंदा में कौशिक समाज द्वारा आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने समाज की विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभाओं का सम्मान कर उनका उत्साहवर्धन किया। समारोह में शिक्षा, कला, खेल, सामाजिक कार्य एवं अन्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने प्रतिभाओं को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं तथा उनकी उपलब्धियों की सराहना की।उप मुख्यमंत्री श्री विजय ने कहा कि समाज की प्रतिभाएं अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा के बल पर न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे समाज का गौरव बढ़ा रही हैं। ऐसे प्रतिभावान युवाओं और विद्यार्थियों का सम्मान एवं प्रोत्साहन उन्हें आगे बढ़ने के लिए नई ऊर्जा प्रदान करता है। उन्होंने प्रतिभाओं से निरंतर मेहनत करते हुए अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने का आह्वान किया। कार्यक्रम में कौशिक समाज के पदाधिकारी, सामाजिकजन, जनप्रतिनिधि, प्रतिभागी एवं बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे। समारोह में प्रतिभाओं के सम्मान के साथ समाज की एकजुटता और नई पीढ़ी को प्रोत्साहित करने का सकारात्मक संदेश भी दिया

गांधी जयंती पर प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम ने मनेंद्रगढ़ में महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री को किया नमन

संवाददाता ➤ रायपुर



राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं देश के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर आज मनेन्द्रगढ़ के गांधी चौक स्थित स्मारक पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिले के प्रभारी एवं कृषि मंत्री रामविचार नेताम, नगर पालिका परिषद मनेन्द्रगढ़ की अध्यक्ष प्रतिमा यादव, उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र पटवा, पूर्व संसदीय सचिव चंपादेवी पावले, कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े एवं जिला पंचायत सीईओ अंकिता सोम ने महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के स्मारक पर माल्यार्पण कर श्रद्धापूर्वक नमन किया।

गांधी के सत्य-अहिंसा और शास्त्री के सादगीपूर्ण जीवन को किया याद

इस अवसर पर प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम ने दोनों महान विभूतियों के राष्ट्र निर्माण में योगदान को स्मरण किया। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी ने सत्य, अहिंसा, स्वच्छता और जनसेवा के माध्यम से देश को नई दिशा दी, वहीं लाल बहादुर शास्त्री ने सादगी, कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी और राष्ट्र सेवा की मिसाल कायम की। उनके जीवन और विचार आज भी समाज एवं राष्ट्र के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

उन्होंने कहा कि गांधीजी के सत्य और अहिंसा के सिद्धांतों को सम्मान देने तथा उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से गांधी जयंती का विशेष महत्व है। सभी को उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाते हुए समाज और राष्ट्र के विकास में योगदान देना चाहिए।

सेवा संकल्प अभियान के तहत स्वच्छता का दिया संदेश

गांधी जयंती के अवसर पर सशक्त एमसीबी-सेवा संकल्प अभियान 2026 के तहत स्वच्छता दिवस के रूप में भी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से स्वच्छता और जनभागीदारी का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में स्वच्छता को दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने तथा अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने के लिए लोगों को प्रेरित किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक रत्ना सिंह, अपर कलेक्टर नम्रता डोगरे, एसडीएम लिंगराज सिदार, विजयेंद्र सारथी सहित तहसीलदार, पार्षदगढ़, जनप्रतिनिधि एवं समस्त जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

दैनिक जीवन की आदत बनाने के लिए प्रेरित किया गया

सेवा संकल्प में झाड़ू थामकर उतरीं मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, श्रमदान से जगाई स्वच्छता की अलख

संवाददाता ➤ रायपुर

सेवा संकल्प अभियान एवं स्वच्छता ही सेवा 2026 के तहत सूरजपुर जिला के नगर पंचायत शिवनंदनपुर में जनभागीदारी से स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने आंबेडकर चौक के समीप स्थित हनुमान मंदिर परिसर में झाड़ू लगाकर और खरपतवार हटाकर श्रमदान किया। उन्होंने स्वच्छता दीदियों, स्थानीय महिलाओं और नागरिकों के साथ सफाई में भाग लेकर सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने का संदेश दिया।





गांधी जयंती के अवसर पर आयोजित अभियान में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों-कर्मचारियों और नागरिकों ने मिलकर मंदिर परिसर की साफ-सफाई की। इस दौरान लोगों को अपने आसपास और सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने तथा स्वच्छता को दैनिक जीवन की आदत बनाने के लिए प्रेरित किया गया।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि सेवा और स्वच्छता के कार्यों में जनभागीदारी से समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। सामूहिक प्रयासों से सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ और सुंदर बनाने के साथ उनका बेहतर उपयोग भी सुनिश्चित किया जा सकता है। उन्होंने शिवनंदनपुर के इस स्थल को पार्क के रूप में विकसित करने की मंशा जताई। इससे स्थानीय नागरिकों को हरियाली के बीच एक व्यवस्थित सार्वजनिक स्थान उपलब्ध हो सकेगा और नगर की सुंदरता भी बढ़ेगी।कार्यक्रम स्थल पर नगर पंचायत द्वारा स्थापित सेवा संकल्प अभियान के फोटो फ्रेम के साथ मंत्री ने तस्वीर खिंचवाई। स्वच्छता और कचरा मुक्त भारत के संदेशों से सुसज्जित यह फ्रेम नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने की पहल का हिस्सा रहा। अभियान के अंत में उपस्थित लोगों ने सार्वजनिक एवं धार्मिक स्थलों को स्वच्छ रखने और नगर को स्वच्छ, सुंदर तथा पॉलिथीन मुक्त बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री विजेन्द्र सिंह पाटले, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती स्वाती सिंह, अन्य जनप्रतिनिधि, नगर पंचायत के अधिकारी-कर्मचारी, स्वच्छता दीदियां और नागरिक उपस्थित रहे।

न्यूज इन शॉर्ट

गुणवत्ताहीन निर्माण और भ्रष्टाचार की शिकायत की जांच के लिए लोक निर्माण विभाग ने जांच समिति गठित की

रायपुर। लोक निर्माण विभाग ने राजनांदगांव-खैरागढ़ मुख्य मार्ग के नवीनीकरण एवं उन्नयन कार्य तथा राजनांदगांव-मोहला-मानपुर सड़क परियोजनाओं में कथित गुणवत्ताहीन निर्माण और भ्रष्टाचार की शिकायत की जांच के लिए चार वरिष्ठ अधिकारियों की समिति बनाई है। समिति निर्माण कार्यों के विभिन्न पहलुओं और शिकायत की जांच कर तीन दिनों में प्रमुख अभियंता को रिपोर्ट सौंपेगी। जांच समिति में मुख्य अभियंता श्री व्ही.एस. कोरम, अधीक्षण अभियंता श्री राजीव नशीने तथा कार्यपालन अभियंता श्री प्रभात सक्सेना और श्री सी.एस. ओगरे शामिल हैं।

इन बिंदुओं पर जांच करेगी समिति

लोक निर्माण विभाग द्वारा गठित जांच समिति राजनांदगांव-खैरागढ़ सड़क एवं राजनांदगांव-मोहला-मानपुर सड़क परियोजनाओं की किसी स्वतंत्र संस्था से उच्च स्तरीय जाँच कराने, जीएसबी (ञस्क्), डब्लूएमएम (ङ्बस्रू) सब-ग्रेड, डामरीकरण, बिटुमिन की मात्रा, सड़क की मोटाई, घनत्व, ग्रेडेशन, लेवल एवं अंडुलेशन सहित सभी तकनीकी मानकों की प्रयोगशाला से जांच जैसी बिंदुओं पर जांच करेगी। समिति निर्माण कार्य की गुणवत्ता के लिए उत्तरदायी अधिकारियों एवं कार्यपालन एजेंसी की भूमिका, जांच पूर्ण होने तक संबंधित कार्यों के भुगतान पर रोक लगाने पर विचार करने, गुणवत्ता से समझौता, वित्तीय अनियमितता या भ्रष्टाचार सिद्ध होने पर संबधितों के विरूद्ध कार्यवाही तथा डोंगरगांव-कुमरदा सहित जिन स्थानों पर सड़क उखाड़कर छोड़ी गई है, वहां तत्काल सुरक्षित आवागमन हेतु मरम्मत, चेतावनी संकेत एवं वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित कराने के संबंध में अपनी रिपोर्ट देगी।

आंगन मिलन सेवा के तहत बेलसोंडा के आंगनबाड़ी केंद्र में हुआ आत्मीय मिलन

एमसीबी ।जनपद पंचायत मनेंद्रगढ़ के अंतर्गत विभिन्न ग्राम पंचायतों में विगत 02 अक्टूबर 2026 को विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया। ग्राम सभा में ग्रामीणों की सहभागिता के साथ पंचायत स्तर से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई तथा आवश्यक प्रस्तावों एवं गतिविधियों को संपादित किया गया।

विशेष ग्राम सभा के दौरान ङ्कक्र-ल क्रूरूल के अंतर्गत प्रस्तावित कार्यों का अनुमोदन किया गया। वहीं, ग्राम पंचायत सचिव द्वारा ग्राम सभा के वार्ता बिंदुओं का वाचन कर उपस्थित ग्रामीणों को विभिन्न विषयों एवं पंचायत स्तर पर संचालित गतिविधियों की जानकारी दी गई।

ग्राम सभा में विकसित ग्राम पंचायत प्लानिंगके तहत आगामी वित्तीय वर्ष 2027-28 के लिए तैयार की जाने वाली कार्ययोजना के संबंध में भी ग्रामीणों को विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। कार्ययोजना में स्थानीय आवश्यकताओं, ग्रामीणों की सहभागिता के साथ पंचायत स्तर से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई तथा आवश्यक प्रस्तावों एवं गतिविधियों को संपादित किया गया।

विशेष ग्राम सभा के माध्यम से आगामी वित्तीय वर्ष 2027-28 की कार्ययोजना को लेकर ग्रामीणों के बीच आवश्यक जानकारी साझा करने के साथ-साथ उनकी सहभागिता और सुझावों को महत्व दिया गया। इस प्रकार ग्राम सभा ने जनभागीदारी, सेवा संकल्प और ग्राम विकास की सामूहिक सोच को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

वीबी- जीरामजी योजना से 'मेरी बेटी-मेरा अभिमान'अंतर्गत धूमा में बना प्रथम बालिका

गांधी जयंती पर बेटियों को मिली स्वच्छता, स्वास्थ्य और सम्मान से जुड़ी नई सुविधा

संवाददाता ➤ रायपुर

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर स्वच्छता और बेटियों के सम्मान का संदेश देते हुए धमतरी जिले के कुरूद विकासखंड की ग्राम पंचायत धूमा में 'मेरी बेटी-मेरा अभिमान' अभियान के अंतर्गत प्रथम बालिका शौचालय का उद्घाटन किया गया। विकसित भारत-रोजगार और आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) वीबी-जी राम जी योजना के अंतर्गत निर्मित यह शौचालय राज्य में चल रहे 'मेरी बेटी-मेरा अभिमान' अभियान को जमीनी स्तर पर साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। गुलाबी रंग से सजे नव-निर्मित बालिका शौचालय के उद्घाटन के दौरान छोटी बच्चियों ने भी हाथों में इसी संदेश वाली तख्तियां लेकर स्वच्छता, सुरक्षा और बेटियों के सम्मान का संदेश दिया। ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों और बच्चों की भागीदारी ने गांधी जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को विशेष बना दिया।



6 अगस्त को शुरू हुआ था 'मेरी बेटी-मेरा अभिमान' अभियान

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने 6 अगस्त 2026 को वीबी-जी राम जी के अंतर्गत राज्यव्यापी 'मेरी बेटी-मेरा अभिमान' अभियान का शुभारंभ किया था। अभियान 15 अगस्त 2026 से 26 जनवरी 2027 तक संचालित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों के 6,671 शासकीय विद्यालयों में लगभग 286.85 करोड़ रुपए की लागत से बालिका शौचालयों के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है। अभियान का उद्देश्य ग्रामीण विद्यालयों में पढ़ने वाली बालिकाओं को सुरक्षित और स्वच्छ शौचालय की सुविधा उपलब्ध कराने के साथ उनके स्वास्थ्य, स्वच्छता और गरिमा के अनुकूल वातावरण तैयार करना है।

निर्माण से उद्घाटन तक, धूमा में लगातार हुई निगरानी

धूमा का यह बालिका शौचालय एक दिन में तैयार हुई पहल नहीं है। विकसित भारत-जी राम जी के आयुक्त एवं प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के संचालक श्री तारन प्रकाश सिन्हा ने भी अपने कुरूद विकासखंड के भ्रमण के दौरान ग्राम पंचायत धूमा पहुंचकर बालिका शौचालय के निर्माण कार्य का मैदानी निरीक्षण किया था। उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति देखने के साथ कार्य में लगे श्रमिकों से मजदूरी भुगतान की जानकारी भी ली थी और अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए थे। करीब एक महीने बाद गांधी जयंती के अवसर पर इसका उद्घाटन अभियान के उद्देश्य को धरातल पर उतरते हुए दिखाता है।

'मेरी बेटी-मेरा अभिमान' अभियान के तहत शासन का मिशन है कि 26 जनवरी 2027 तक राज्य के हर स्कूल में बालिकाओं के लिए शौचालय सुनिश्चित हो।

मृत्यु के बाद भी किसी के काम आए शरीर, यही होगा मेरे जीवन का सच्चा मोक्ष- शीला

संवाददाता ➤ महासमुंद

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत दान उत्सव मनाया जा रहा हैद्य इसी तारतम्य में सेवा और परोपकार की एक ऐसी प्रेरणादायी मिसाल सामने आई है, जो जीवन के साथ-साथ मृत्यु के बाद भी मानवता की सेवा का संदेश देती है। महासमुंद निवासी एवं महिला एवं बाल विकास विभाग में पर्यवेक्षक के पद पर कार्यरत शीला प्रधान ने देहदान का संकल्प लेते हुए आज अपना घोषणा-पत्र कलेक्टर श्री विनय कुमार लगेह को सौंपा।

आज उनके इस पुण्य कार्य सेवा के लिए सेवा सेतु शिविर कोसरंगी में शाल, श्रीफल, गुलदस्ता देकर सम्मानित किया गया। इस आशय का प्रमाण पत्र भी प्रदान किया गया।

इस अवसर पर शीला प्रधान ने कहा कि जीवन केवल अपने लिए जीने का नाम नहीं है, बल्कि जीवन की सार्थकता इस बात में है कि हम किसी के काम आ सकें। उन्होंने कहा कि ये मानवता की ये नैतिक जिम्मेदारी है कि हम समाज के किसी तरह काम में आ सके। वे एकल महिला हैं और अपने जीवन को परोपकार तथा समाजसेवा के कार्यों के लिए समर्पित करना चाहती हैं। इसी भावना से उन्होंने मृत्यु के बाद अपना शरीर चिकित्सा शिक्षा एवं मानव कल्याण के लिए दान करने का निर्णय लिया है।उन्होंने कहा, मेरे जाने के बाद भी यदि मेरा शरीर किसी विद्यार्थी की पढ़ाई में काम आए, चिकित्सा के क्षेत्र में किसी के ज्ञान को आगे बढ़ाने में सहायक बने या किसी जरूरतमंद के काम आ सके, तो इससे बड़ी सार्थकता मेरे जीवन के लिए और क्या होगी। मैं अपने इस निर्णय को लेकर स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रही हूं। मेरे लिए यही असली मोक्ष होगा कि मृत्यु के बाद भी मेरा शरीर किसी के काम आए।कलेक्टर श्री विनय कुमार लगेह ने शीला प्रधान के इस संवेदनशील एवं परोपकारी निर्णय की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायी बताया। उन्होंने कहा कि देहदान का संकल्प मानव सेवा की ऐसी भावना को दर्शाता है, जिसमें व्यक्ति अपने जीवन के बाद भी समाज के लिए उपयोगी बने रहने की इच्छा रखता है।शीला प्रधान के इस निर्णय की उनके परिवारजनों, विभागीय अधिकारियों-कर्मचारियों तथा उनके करीबियों ने भी सराहना की है। उन्होंने कहा कि उनका यह निर्णय दूसरों को भी देहदान के प्रति जागरूक होने और मानवता की सेवा के लिए आगे आने की प्रेरणा देगा। वास्तव में यह संकल्प इस विचार को मजबूत करता है कि सेवा की कोई अंतिम सीमा नहीं होती।

800 लोगों को निःशुल्क दवाएं भी उपलब्ध कराई

3165 जरूरतमंदों को निःशुल्क चश्मे, 800 लोगों को दवाएं वितरित

संवाददाता ➤ रायगढ़

सेवा को जनभागीदारी से जोड़ते हुए 'सेवा मेरा योगदान' के तहत पुसौर के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में शुक्रवार को निःशुल्क विशाल नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। सुबह से जिले के विभिन्न गांवों से बड़ी संख्या में लोग नेत्र जांच के लिए पहुंचे। शिविर में 3493 लोगों की नेत्र जांच की गई तथा जांच के बाद 3165 लोगों को निःशुल्क चश्मे वितरित किए गए। वहीं करीब 800 लोगों को निःशुल्क दवाएं भी उपलब्ध कराई गईं।

पुरुष एवं महिलाओं के लिए पृथक पंजीयन की व्यवस्था रही। 10 से अधिक नेत्र विशेषज्ञों के साथ 38 नेत्र सहायकों ने जांच कार्य में सहयोग किया। स्वास्थ्य विभाग की टीम सुबह 9 बजे से लगातार सेवाओं में जुटी रही। एनएसएस एवं स्काउट-गाइड के विद्यार्थियों ने वालंटियर के रूप में लोगों को पंजीयन, जांच और चश्मा वितरण तक पहुंचाने में सहयोग किया। शिविर में आने वाले लोगों के लिए छाया, पेयजल, भोजन एवं स्वल्पाहार की व्यवस्था भी की गई।

उन्होंने कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं मां सरस्वती के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आंखों की समय पर जांच बेहद जरूरी है। विशेषकर बच्चों में दृष्टि संबंधी समस्या कई बार समय पर सामने नहीं आती, जिसका असर उनकी पढ़ाई पर पड़ सकता है। उन्होंने अपना अनुभव साझा करते हुए बताया कि उन्हें भी 12वीं कक्षा तक अपनी आंखों की कमजोरी का पता नहीं चला था। बाद में जांच कराने पर चश्मे की जरूरत सामने आई। उन्होंने कहा कि बीमारी के लक्षण सामने आने का इंतजार करने के बजाय समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराने की आदत विकसित करनी चाहिए। आंखों और दांतों की जांच के साथ शरीर के अन्य स्वास्थ्य परीक्षणों को लेकर भी जागरूकता जरूरी है। उन्होंने शिविर को सफल बनाने वाले चिकित्सकों, नेत्र सहायकों, स्वास्थ्य विभाग, एनएसएस, स्काउट-गाइड के विद्यार्थियों और प्रशासनिक अमले के योगदान की सराहना की।

जनपद पंचायत मनेंद्रगढ़ की ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभा आयोजित

संवाददाता ➤ एमसीबी



जनपद पंचायत मनेंद्रगढ़ के अंतर्गत विभिन्न ग्राम पंचायतों में विगत 02 अक्टूबर 2026 को विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया। ग्राम सभा में ग्रामीणों की सहभागिता के साथ पंचायत स्तर से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई तथा आवश्यक प्रस्तावों एवं गतिविधियों को संपादित किया गया।

विशेष ग्राम सभा के दौरान ङ्कक्र-ल क्रूरूल के अंतर्गत प्रस्तावित कार्यों का अनुमोदन किया गया। वहीं, ग्राम पंचायत सचिव द्वारा ग्राम सभा के वार्ता बिंदुओं का वाचन कर उपस्थित ग्रामीणों को विभिन्न विषयों एवं पंचायत स्तर पर संचालित गतिविधियों की जानकारी दी गई।

ग्राम सभा में विकसित ग्राम पंचायत प्लानिंग (ङ्कलक्कक्क) के तहत आगामी वित्तीय वर्ष 2027-28 के लिए तैयार की जाने वाली कार्ययोजना के संबंध में भी ग्रामीणों को विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। कार्ययोजना में स्थानीय आवश्यकताओं, ग्रामीणों की प्राथमिकताओं तथा पंचायत क्षेत्र के समग्र विकास से जुड़े विषयों को शामिल किए जाने को लेकर ग्रामीणों के साथ सार्थक चर्चा की गई।

इस अवसर पर ÷सेवा संकल्प÷ की भावना को केंद्र में रखते हुए ग्राम पंचायतों के विकास में जनभागीदारी, पारदर्शिता और सामूहिक निर्णय की महत्ता पर भी जोर दिया गया। ग्राम सभा के माध्यम से ग्रामीणों को पंचायत की आगामी कार्ययोजना में अपनी आवश्यकताओं एवं सुझावों को रखने के लिए प्रोत्साहित किया गया, ताकि विकास कार्य स्थानीय जरूरतों के अनुरूप और जनहित में संचालित किए जा सकें।

प्रत्येक व्यक्ति स्वच्छता की शुरुआत स्वयं से करे, तो निश्चित रूप से एक स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ समाज का निर्माण संभव

महेंद्र शुक्ला ➤ एमसीबी





एमसीबी ज़िले के मानक शैक्षणिक संस्थान दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल मनेंद्रगढ़ में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के पावन अवसर पर विद्यालय परिसर एवं आसपास के क्षेत्र में स्वच्छता के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के उद्देश्य से स्वच्छता दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालय के शिक्षकों ने स्वयं श्रमदान कर स्वच्छता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व का अनुकरणीय संदेश प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर शिक्षकों ने विद्यालय के सामने स्थित तालाब की साफ-सफाई की तथा सड़क एवं विद्यालय के आसपास के समस्त क्षेत्र से कचरा, प्लास्टिक एवं अन्य अपशिष्ट पदार्थों को हटाया। विद्यालय के सम्मुख स्थित मार्ग और आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित बनाने के लिए शिक्षकों ने पूरे उत्साह और समर्पण के साथ श्रमदान किया।

स्वच्छता अभियान के दौरान शिक्षकों ने यह संदेश दिया कि स्वच्छता केवल किसी एक व्यक्ति अथवा संस्था का दायित्व नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक को स्वच्छ रखना हम सभी का नैतिक दायित्व है।

प्राचार्य श्री अश्वनी वर्मा ने इस विशेष अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि गांधीजी का स्वच्छ और स्वस्थ भारत का स्वप्न तभी साकार हो सकता है, जब हम स्वच्छता को अपने दैनिक जीवन का अभिन्न संस्कार बना लें।आज का हमारा यह श्रमदान इसी विचार को व्यवहार में उतारने का एक छोटा-सा प्रयास है। हमारा उद्देश्य केवल विद्यालय के आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ करना नहीं, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति के मन में यह भावना जागृत करना है कि अपने घर, विद्यालय, सड़क, जलस्रोत और पूरे परिवेश शिक्षकों का यह प्रयास न केवल विद्यालय के आसपास के वातावरण को स्वच्छ बनाने तक सीमित रहा, बल्कि विद्यार्थियों एवं स्थानीय समुदाय के लिए भी एक प्रेरणादायी उदाहरण बना। स्वयं शिक्षक बनकर स्वच्छता कार्य में सहभागी बने और उन्होंने यह सिद्ध किया कि परिवर्तन की शुरुआत स्वयं से करने पर ही समाज में स्थायी परिवर्तन संभव है।

विद्यालय की निदेशिका श्रीमती पूनम सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति स्वच्छता की शुरुआत स्वयं से करे, तो निश्चित रूप से एक स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ समाज का निर्माण संभव है।÷

उन्होंने सभी शिक्षकों के इस सामूहिक प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि वास्तविक शिक्षा वही है, जो पुस्तकों से निकलकर जीवन और समाज में दिखाई दे।

गांधी जयंती के अवसर पर आयोजित यह स्वच्छता अभियान विद्यालय की सामाजिक प्रतिबद्धता और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता का सशक्त उदाहरण बना।

स्वच्छता के प्रति जागरूकता और जिम्मेदारी का यह संदेश विद्यालय की सीमाओं से आगे समाज तक पहुँचे-इसी संकल्प के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जनपद उपाध्यक्ष हुलसी चंद्राकर ने की

आंगन मिलन सेवा के तहत बेलसोंडा के आंगनबाड़ी केंद्र में हुआ आत्मीय मिलन

संवाददाता ➤ एमसीबी



सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिले में चलाए जा रहे आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम के तहत महासमुन्द के ग्राम बेलसोंडा के आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक-3 में गत दिवस आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं, गर्भवती एवं शिशुवती माताओं, वृद्धजनों सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जनपद सदस्य महासमुंद विजय लक्ष्मी जांगड़े थीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता जनपद उपाध्यक्ष हुलसी चंद्राकर ने की। इस अवसर पर सरपंच प्रीति धीवर सहित वाणी तिवारी, सुधा साहू, छाया चंद्राकर, दिग्विजय साहू, शुभम बाघ, साजन यादव तथा ग्रामीणजन उपस्थित रहे। जनप्रतिनिधियों ने आंगनबाड़ी केंद्र की गतिविधियों का अवलोकन करते हुए बच्चों, माताओं एवं हितग्राहियों से संवाद भी किया। कार्यक्रम में गर्भवती एवं शिशुवती माताओं तथा वृद्धजनों की सहभागिता ने आंगन मिलन सेवा को सामुदायिक जुड़ाव का स्वरूप प्रदान किया। मुख्य अतिथि विजय लक्ष्मी जांगड़े ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र केवल बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा और पोषण का केंद्र नहीं है, बल्कि यह माताओं, बच्चों और ग्रामीण परिवारों को शासन की विभिन्न योजनाओं से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम भी है। आंगन मिलन सेवा के माध्यम से आंगनबाड़ी केंद्रों से ग्रामीणों का जुड़ाव और अधिक मजबूत हो रहा है।द्यह्यश्र ऋ्रडुस्र - ड्राई डे में टकीला बार पर बिक रहा था अवैध शराब, दो गिरफ्तार उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता गांव में बच्चों और माताओं की देखभाल के साथ शासन की योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उनके कार्यों का सम्मान करना पूरे समाज की जिम्मेदारी है। जनपद उपाध्यक्ष हुलसी चंद्राकर ने कहा कि आंगन मिलन सेवा के माध्यम से आंगनबाड़ी केंद्रों में आत्मीय वातावरण निर्मित हो रहा है। इससे ग्रामीणों को एक साथ बैठकर बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य, शिक्षा तथा महिलाओं के कल्याण से जुड़े विषयों पर चर्चा करने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का वास्तविक लाभ तभी मिलेगा, जब ग्रामीणजन जागरूक होकर इनसे जुड़ें। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता इस दिशा में महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य कर रही हैं। कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीणों ने आंगन मिलन सेवा की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से आंगनबाड़ी केंद्रों के प्रति लोगों का जुड़ाव बढ़ता है और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी सहज रूप से मिलती है।

इश्तिहार

मैं नितेश कुमार पिता सुभाष प्रसाद, उम्र- 36 साल निवासी- वार्ड नं. 01 थाना झरोखर, पूर्वी चम्पारण बिहार, हाल मुकाम- 18 वी वाहिनी चैनपुर, तहसील- मनेंद्रगढ़, जिला- एमसीबी छ.ग. का हूँ, उक्त दर्शित पते पर निवास करता हूँ। मेरे ड्राइविंग लाइसेंस क्रमांक छ्ब॥08 200900 62159 में मेरे पिता का नाम सुभाष कुमार (SUBHASH KUMAR) दर्ज हो गया है, जो कि त्रुटिपूर्ण है जबकि मेरे आधार कार्ड क्रमांक 8295 8169 3315 में मेरे पिता का नाम सुभाष प्रसाद (SUBHASH PRASAD) दर्ज है जो सत्य एवं सही है। ड्राइविंग लाइसेंस क्रमांक JH08 200900 62159 में अपने पिता का नाम संशोधित कर अपने आधार कार्ड के अनुसार अपने पिता का नाम सुभाष प्रसाद (SUBHASH PRASAD) दर्ज कराना चाहता हूँ।

सत्यापित दिनांक 03.10.2029
मनेंद्रगढ़

न्यूज इन शॉर्ट



पक्के आवास से साकार हुआ सुकनी बाई का अपने घर का सपना

गौरेला पेंड्रा मरवाही, । प्रधानमंत्री आवास योजना ने जरूरतमंद परिवारों के लिए पक्के और सुरक्षित आवास का सपना साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। गौरेला विकासखंड के ग्राम बस्ती बगरा निवासी श्रीमती सुकनी बाई भी इस योजना से लाभान्वित होकर अब अपने पक्के घर में सुरक्षित और सम्मानपूर्वक जीवन व्यतीत कर रही हैं। श्रीमती सुकनी बाई का परिवार पहले मिट्टी के घर में रहता था। बारिश के दिनों में घर की स्थिति खराब हो जाती थी और परिवार को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता था। कच्चे मकान में रहने के कारण उन्हें हमेशा घर की सुरक्षा और मजबूती की चिंता बनी रहती थी। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत श्रीमती सुकनी बाई के आवास को स्वीकृति मिली। योजना के माध्यम से उनका पक्का आवास बनकर पूर्ण हुआ। नए आवास के निर्माण से उनके परिवार को न केवल सुरक्षित और मजबूत छत मिली, बल्कि जीवन में स्थायित्व और खुशियां भी आईं। ऋसेवा सेतु अभियान—सरकार आपके द्वारऋ के तहत बस्ती बगरा में आयोजित शिविर के दौरान श्रीमती सुकनी बाई को उनके नए आवास की चाबी सौंपी गई। अपने सपनों का पक्का घर पाकर वे बेहद खुश हुईं और उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के प्रति आभार व्यक्त किया।



कलेक्टर ने मरवाही में चावल गोदामों का किया निरीक्षण

संवाददाता ➤ गौरेला-पेंड्रा-मरवाही

कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. ने आज नागरिक आपूर्ति निगम के मरवाही स्थित चावल गोदामों का निरीक्षण कर चावल के भंडारण, गुणवत्ता एवं सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत आपूर्ति व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि गोदामों में निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप चावल ही स्वीकार किया जाए तथा अमानक पाए जाने वाले चावल को संबंधित मिलर्स को वापस भेजने की कार्रवाई की जाए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने गोदामों में उपलब्ध चावल के स्टॉक एवं भंडारण व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने मिलर्स द्वारा जमा किए जा रहे चावल के लॉट की लोडिंग-अनलोडिंग प्रक्रिया के साथ ही पीडीएस दुकानों को चावल की आपूर्ति की स्थिति और वितरण व्यवस्था के बारे में भी जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री मुकेश रावटे तथा नागरिक आपूर्ति निगम के जिला प्रबंधक श्री धनंजय मदनकर सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े, जनप्रतिनिधियों एवं वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में प्रतिभागी विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

सेवा संकल्प अभियान के तहत जिला स्तरीय चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता आयोजित

महेंद्र शुक्ला ➤ एमसीबी

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आज शिक्षा विभाग जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर एमसीबी द्वारा जिला स्तरीय भव्य एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी की अगुवाई में आयोजित इस गरिमामय समारोह में जिले भर से आए विद्यार्थियों ने चित्रकला पेंटिंग एवं भाषण प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा और वैचारिक स्पष्टता का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ मुख्य अतिथि कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। समारोह के प्रथम चरण में आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने कैनवास पर सेवा संकल्प, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और सामाजिक सरोकार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बच्चों द्वारा उकेरी गई जीवंत एवं संदेशप्रद आकृतियों की अतिथियों ने प्रशंसा की। वहीं भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका एवं सेवा संकल्प का महत्व जैसे विषयों पर अपने वक्तव्य प्रस्तुत



किए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े एवं उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि सेवा संकल्प अभियान केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी, नैतिक कर्तव्य और समर्पण का जीवंत प्रतीक है। उन्होंने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें शिक्षा, खेल और कला के क्षेत्र में निरंतर नई ऊंचाइयों को छूने के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को अतिथियों के कर कमलों से शील्ड, मेडल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर पुरस्कृत किया गया। साथ ही सभी सहभागी बच्चों का हौसला बढ़ाते हुए उन्हें प्रोत्साहन प्रमाण पत्र दिए गए। कार्यक्रम के अंतिम चरण में उपस्थित विशिष्ट अतिथियों एवं जनप्रतिनिधियों का आत्मीय स्वागत एवं आभार व्यक्त किया गया। इस भव्य एवं गरिमामय आयोजन में मुख्य रूप से कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े, एसडीएम लिंगराज सिदार, नगर पालिका उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र पटवा, जिला महामंत्री आशीष मजूमदार, मंडल अध्यक्ष रोहित वर्मा,



विधायक प्रतिनिधि महेन्द्र सिंह, जिला कार्यसमिति सदस्य राहुल सिंह, सोशल मीडिया संयोजक मनोज केशरवानी,



कार्यवाह (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) नीरज अग्रवाल, पार्षद श्रीमती नीलू जायसवाल, पार्षद श्रीमती सुशीला सिंह, पार्षद जमील शाह, पार्षद अजीमुद्दीन अंसारी, पार्षद सपन महतो, एल्डरमैन अखिलेश मिश्रा एवं एल्डरमैन हीरा रजक की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के अंत में जिला शिक्षा अधिकारी ने उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, एल्डरमैन, पार्षदों, शिक्षक-शिक्षिकाओं, मीडिया बंधुओं एवं विद्यार्थियों का इस सफल एवं भव्य आयोजन हेतु सहृदय आभार व्यक्त किया।

सेवा संकल्प अभियान के तहत जिला स्तरीय चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता आयोजित



विकसित भारत की कल्पना को बच्चों ने रंगों और शब्दों में किया साकार

कलेक्टर ने साझा किए छात्र जीवन के अनुभव, बच्चों को दिए व्यक्तित्व विकास के मंत्र

संवाददाता ➤ गौरेला-पेंड्रा-मरवाही

संकल्प अभियान के अंतर्गत 'विकसित भारत की कल्पना एवं 25 वर्षों के सेवा कार्य' पर आधारित जिला स्तरीय चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) पेंड्रा के सभाकक्ष में किया गया। विद्यालय, संकुल एवं विकासखंड स्तर पर चयनित प्रतिभागियों ने जिला स्तरीय प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। चित्रकला प्रतियोगिता में 30 तथा भाषण प्रतियोगिता में 31 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में कलेक्टर श्री विजय दयाराम के., जिला पंचायत उपाध्यक्ष राजा उपेंद्र बहादुर सिंह, नगर पालिका परिषद पेंड्रा के अध्यक्ष श्री राकेश जालान सहित जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों ने उपस्थित होकर बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

प्रिंसी केवट और प्रिंसी गुर्जर के ओजस्वी भाषण ने किया प्रभावित

भाषण प्रतियोगिता के दौरान बच्चों ने विकसित और आत्मनिर्भर भारत को लेकर अपने विचार प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किए। प्राथमिक शाला बंधी, विकासखंड गौरेला की कक्षा पांचवीं की छात्रा कुमारी प्रिंसी केवट ने 'डिजिटल इंडिया' विषय पर शानदार भाषण दिया। वहीं माध्यमिक शाला कोटखर्रा, विकासखंड मरवाही की कक्षा सातवीं की छात्रा कुमारी प्रिंसी गुर्जर ने 'मेरे सपनों का भारत' विषय पर अपने विचार रखे। दोनों छात्राओं की आत्मविश्वासपूर्ण एवं ओजस्वी प्रस्तुति ने उपस्थित अतिथियों और श्रोताओं को विशेष रूप से प्रभावित किया। चित्रकला प्रतियोगिता में भी विद्यार्थियों ने अपनी कल्पनाशीलता और रचनात्मकता का परिचय देते हुए रंगों के माध्यम से विकसित भारत की अपनी परिकल्पना को कागज पर उकेरा।

कलेक्टर ने साझा किए छात्र जीवन के अनुभव, दिए सफलता के मंत्र

कलेक्टर ने बच्चों से आत्मीय संवाद करते हुए अपने छात्र जीवन के अनुभव साझा किए और उनका मनोबल बढ़ाया। उन्होंने विद्यार्थियों को व्यक्तित्व विकास, आत्मविश्वास, प्रभावी संवाद और बॉडी लैंग्वेज से जुड़े उपयोगी टिप्स दिए। में जनसेवा एवं जनभागीदारी से जुड़ी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

जन सेवा से राष्ट्र सेवा के 25 वर्ष का संदेश लेकर पहुंची बाइक रैली, स्वास्थ्य एवं कृषि मंत्री ने किया

कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने कहा - सेवा को जीवन का हिस्सा बनाएं, युवाओं की ऊर्जा राष्ट्र निर्माण में लगाएं

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा - जनसेवा से राष्ट्र सेवा की भावना से ही बनेगा विकसित भारत

संवाददाता ➤ महेंद्र शुक्ला /एमसीबी

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत ÷जन सेवा से राष्ट्र सेवा के 25 वर्ष÷ की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित वडनगरदृवाराणसी सेवा यात्रा की 25वीं वर्षगांठ बाइक यात्रा का मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में भव्य एवं उत्साहपूर्ण स्वागत किया गया। ÷वडनगर से वाराणसी, वाराणसी से वडनगर÷ के संदेश और ÷सेवा संकल्प कलश÷ के साथ निकली बाइक रैली ने जिले में पहुंचकर सेवा, सहभागिता और विकसित भारत के संकल्प का संदेश दिया।

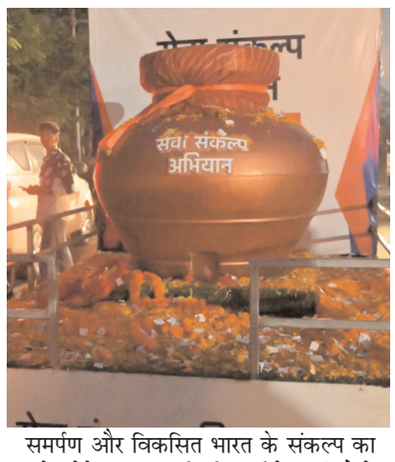
घुटरीटोला में जनप्रतिनिधियों ने किया भव्य स्वागत

वडनगर से पहुंची बाइक रैली का नगर पंचायत खोंगापानी के घुटरीटोला में जिले के प्रभारी एवं कृषि मंत्री रामविचार नेताम, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, जिला अध्यक्ष चंपा देवी पावले, नगर पालिका परिषद मनेन्द्रगढ़ की अध्यक्ष प्रतिमा यादव, उपाध्यक्ष धर्मेंद्र पटवा, नगर पंचायत नई लेदरी के अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह राणा, सरजू यादव, राहुल टिकरिया, अंकुश सिंह, अंकित शर्मा, शानू कश्यप सहित जनप्रतिनिधियों एवं स्थानीय नागरिकों ने गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। इस दौरान सेवा संकल्प अभियान के उद्देश्यों और जनसेवा से राष्ट्रसेवा तक की यात्रा के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया गया।

बाइक रैली के साथ मनेन्द्रगढ़ पहुंचा सेवा संकल्प का संदेश

घुटरीटोला में स्वागत के पश्चात बाइक रैली को उत्साहपूर्ण वातावरण में श्याम हेरिटेज, मनेन्द्रगढ़ तक लाया गया। रैली में शामिल बाइकर्स ने सेवा,





समर्पण और विकसित भारत के संकल्प का संदेश देते हुए यात्रा पूरी की। मार्ग में नागरिकों ने भी बाइक रैली का उत्साहपूर्वक स्वागत किया। यात्रा का उद्देश्य जनसेवा के 25 वर्षों की प्रेरक यात्रा को जनभागीदारी से जोड़ते हुए विकसित भारत के निर्माण में नागरिकों की भूमिका को रेखांकित करना है।

प्रभारी एवं कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने सेवा को राष्ट्रनिर्माण से जोड़ने का किया आह्वान

प्रभारी एवं कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि वडनगर से वाराणसी और वाराणसी से वडनगर की 25वीं वर्षगांठ की बाइक यात्रा सेवा, समर्पण और राष्ट्रनिर्माण का संदेश लेकर मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर पहुंची है। जिले की जनता द्वारा यात्रा का आत्मीय स्वागत गौरव का विषय है। सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य शासन की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। विकसित भारत के निर्माण में किसान, युवा, महिला और गांवों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने युवाओं से शिक्षा, खेल, रोजगार, नवाचार और सामाजिक सेवा के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने सभी से स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और जनसेवा को जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प लेने की अपील की।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा-जनसेवा से राष्ट्र सेवा की भावना को मजबूत करता है अभियान

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान जनसेवा से राष्ट्रसेवा की भावना को मजबूत करने का माध्यम है। वडनगर से वाराणसी और वाराणसी से वडनगर की 25वीं वर्षगांठ की बाइक यात्रा सेवा, समर्पण और सहभागिता का संदेश लेकर जिले में पहुंची है।

नई शुरुआत

जरूरतमंदों को चश्मा और वृद्धजनों को मिली छड़ी, गर्भवती महिलाओं की गोद भराई एवं बच्चों का किया गया अन्नप्राशन

'सरकार आपके द्वार' शिविर गौरेला में 240 में से 236 आवेदनों का मौके पर निराकरण

संवाददाता ➤ गौरेला-पेंड्रा-मरवाही

आम नागरिकों की समस्याओं का उनके नजदीक ही त्वरित समाधान और शासकीय योजनाओं का सहज लाभ उपलब्ध कराने की मंशा के साथ सेवा सेतु अभियान के तहत नगर पालिका परिषद गौरेला के वार्ड क्रमांक 3 स्थित सांस्कृतिक भवन में जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किया गया। जिला प्रशासन एवं नगर पालिका परिषद गौरेला के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित शिविर में कुल 240 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 236 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण कर नागरिकों को राहत पहुंचाई गई। शिविर की खास बात यह रही कि नागरिकों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अलग-अलग कार्यालयों में जाने के बजाय एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों की सेवाएं उपलब्ध हुईं। जिले के विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों में अधिकारियों-कर्मचारियों ने नागरिकों से आवेदन प्राप्त किए



और पात्रता एवं नियमानुसार उनका निराकरण किया। शेष प्रक्रियाधीन आवेदनों को भी संबंधित विभागों को शीघ्र निराकरण के लिए प्रेषित किया गया।

समाधान के साथ योजनाओं का भी मिला लाभ

जनसमस्या निवारण शिविर केवल आवेदन लेने तक सीमित नहीं रहा, बल्कि विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से जरूरतमंदों को लाभान्वित भी किया गया। समाज कल्याण विभाग द्वारा जरूरतमंद हितग्राहियों को चश्मे तथा वृद्धजनों को छड़ी प्रदान की गई। सहायता सामग्री मिलने से हितग्राहियों के चेहरे पर खुशी दिखाई दी। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा शिविर में गोद भराई एवं अन्नप्राशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। विभाग द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वालों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित भी किया गया। वहीं नगर पालिका परिषद गौरेला द्वारा बेहतर कार्य करने वाले कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर उनके कार्यों की सराहना की गई।

जनता और प्रशासन के बीच सेवा सेतु बना शिविर

सेवा सेतु अभियान के तहत आयोजित इस शिविर ने आम नागरिकों और शासन-प्रशासन के बीच सीधे संवाद का अवसर उपलब्ध कराया। नागरिकों ने विभिन्न विभागों के समक्ष अपनी समस्याएं रखीं और बड़ी संख्या में आवेदनों का शिविर स्थल पर ही समाधान मिलने से उन्हें कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर लगाने से राहत मिली। 240 में से 236 आवेदनों का तत्काल निराकरण शिविर की उल्लेखनीय उपलब्धि रही। कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद गौरेला के अध्यक्ष श्री मुकेश दुबे, श्री लालजी यादव, एसडीएम पेण्ड्रारोड श्री विक्रांत अंचल, मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री राजेश गुप्ता सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

भारत ने 21 गोल्ड के साथ किया सफर खत्म, मेडल टैली में इस स्थान पर बनाई जगह



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

आइची-नागोया में चल रहे 20वें एशियन गेम्स में भारत को कुछ खेलों में कामयाबी तो कुछ में निराशा हाथ लगी है। वहीं कई खेल ऐसे हैं, जिसमें भारत ने पहली बार मेडल जीता। भारतीय एथलीट्स ने 14 दिन के सफल अभियान के बाद कुल 85 मेडल अपने नाम किए, जिसमें 21 गोल्ड, 27 सिल्वर और 37 ब्रॉन्ज मेडल शामिल रहे। इस प्रदर्शन के साथ भारत मेडल टैली में चौथे स्थान पर पहुंच गया है। आइए आपको बताते हैं किन खिलाड़ियों ने देश को मेडल जिताए हैं ।षों के 80ञ्चद्द इवेंट में गोल्ड मेडल जीता ।बॉक्सिंग में ही भारत को एक और गोल्ड मेडल मिल गया है। परवीन हुड्डा ने ये सफलता हासिल की ।बॉक्सिंग में लवलीना बोरगोहेन ने भारत की झोली में गोल्ड मेडल डाल दिया ।आर्चरी के महिला रिकर्व इवेंट में भारत ने पहली बार गोल्ड मेडल जीता है। ये गेम्स में भारत का 11वां गोल्ड है।

ट्रैप शूटिंग मिक्स्ड इवेंट में भी भारत को गोल्ड मेडल मिल गया।

आर्चरी में भारत को 3 गोल्ड मिले हैं। भारत ने पहले महिला कंपाउंड टीम इवेंट में गोल्ड जीता। फिर मिक्स्ड टीम कंपाउंट इवेंट का गोल्ड मेडल अपने नाम किया। अंत में मेंस कंपाउंड टीम इवेंट का गोल्ड भी जीता।

किरण पहल, एम ।आर। पूवम्मा, प्राची चौधरी और विथ्या रामराज ने 4म400 मीटर रिले टीम ने भारत के लिए गोल्ड जीता।

नीरू ढांढा ने महिला ट्रैप शूटिंग में भारत को गोल्ड मेडल दिलाया ।भारत ने कबड्डी में पहले महिला और फिर पुरुषों के इवेंट में कुल 2 गोल्ड मेडल जीते।

भारतीय हॉकी टीम ने जीता गोल्ड,



एशियन गेम्स 2026 के महामुकाबले में भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने अपने बेजोड़ खेल के दम पर इतिहास रच दिया है। खिताबी भिड़ंत में भारत ने मलेशिया को 5-1 के बड़े अंतर से करारी शिकस्त देकर गोल्ड मेडल अपने नाम कर लिया। पूरे टूर्नामेंट में अजेय रहने वाली भारतीय टीम ने इसके साथ ही एशियन गेम्स के इतिहास में पहली बार अपना गोल्ड मेडल डिफेंड किया है। इस जीत के साथ ही कप्तान हरमनप्रीत सिंह लगातार दो एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीतने वाले पहले भारतीय कप्तान बन गए हैं। इसी के साथ भारत ने ओलंपिक 2028 के लिए भी क्वालिफाई कर लिया है।

वैभव सूर्यवंशी बने सबसे युवा भारतीय गोल्ड मेडलिस्ट, तोड़ा 8 साल पुराना रिकॉर्ड



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट के सनसनी वैभव सूर्यवंशी ने काफी कम उम्र में एक और ऐसा ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित कर दिया है, जो सिर्फ क्रिकेट तक सीमित न रहकर पूरे भारतीय खेल इतिहास में दर्ज हो गया है। एशियन गेम्स 2026 के पुरुष क्रिकेट फाइनल में भारत ने पाकिस्तान को हराकर गोल्ड मेडल जीता। इसी के साथ वैभव एशियन गेम्स के इतिहास में गोल्ड मेडल जीतने वाले सबसे युवा भारतीय एथलीट बन गए हैं।

भारतीय क्रिकेट के सनसनी वैभव सूर्यवंशी ने काफी कम उम्र में एक और ऐसा ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित कर दिया है, जो सिर्फ क्रिकेट तक सीमित न रहकर पूरे भारतीय खेल इतिहास में दर्ज हो गया है। एशियन गेम्स 2026 के पुरुष क्रिकेट फाइनल में भारत ने पाकिस्तान को हराकर गोल्ड मेडल जीता। इसी के साथ वैभव एशियन गेम्स के इतिहास में गोल्ड मेडल जीतने वाले सबसे युवा भारतीय एथलीट बन गए हैं।सिर्फ 15 साल 6 महीने और 10 दिनआठ साल पुराना रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिया है।

मथुरा में रसिक दुलारी की मौत पर चश्मदीद ने क्या बताया

351 रन बनाकर भी हारा भारत, वेस्टइंडीज ने किया रिकॉर्ड चेज, शे होप ने अकेले छीनी जीत

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

न्यू चंडीगढ़ के पीसीए इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए तीसरे और आखिरी वनडे मैच में वेस्टइंडीज ने भारतीय टीम को 5 विकेट से हरा दिया. टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने सिर्फ 4 रन पर दो बड़े विकेट गंवाने के बावजूद 7 विकेट पर 351 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया. जवाब में वेस्टइंडीज के कप्तान शे होप ने नाबाद 162 रनों की शानदार शतकीय पारी खेलकर अपनी टीम को एक यादगार जीत दिलाई. वेस्टइंडीज ने अपने वनडे क्रिकेट के इतिहास का सबसे बड़ा सफल रन चेज किया. इस 5 विकेट की रोमांचक जीत के साथ वेस्टइंडीज ने सीरीज 1-2 पर खत्म की और भारत का 3-0 से सूपड़ा साफ करने का सपना चकनाचूर कर दिया.



राहुल का शतक और रोहित का प्रहार

मैच की शुरुआत टीम इंडिया के लिए कुछ खास नहीं रही. भारतीय कप्तान शुभमन गिल घरेलू मैदान पर 1 रन बनाकर जेडन सील्स की शॉर्ट गेंद पर विकेट के पीछे शाई होप को कैच दे बैठे. फिर सील्स ने अगली ही गेंद पर दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली को बिना खाता खोले बोल्ड कर दिया, जिससे भारत ने तीन ओवर के अंदर 4 रन पर अपने दो सबसे बड़े विकेट गंवा दिए. सील्स और मैथ्यू फोर्ड की धारदार गेंदबाजी के आगे भारतीय टीम पहले 10 ओवर में 28 रन ही बना पाई.सिर से खून बह रहा था, मुझे उनके पास जाने.., मथुरा में रसिक दुलारी की मौत पर चश्मदीद ने क्या बताया।

व्यापार

दुनिया तांबे के पीछे, ज्यादा पैसे देने को तैयार!

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

भारत में कॉपर की कीमत अगस्त में करीब ?1,400 प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है। ग्लोबल स्तर पर बढ़ती मांग और सीमित सप्लाई के बीच कॉपर बाजार में दबाव बढ़ रहा है। पावर ग्रिड, इलेक्ट्रिक व्हीकल, रिन्यूएबल एनर्जी और ढ्ढ डेटा सेंटर जैसे सेक्टर इसकी खपत बढ़ा रहे हैं।भारत में तांबे की कीमत अगस्त 2026 में करीब ?1,400 प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है। 17 अगस्त को मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया लि। (ख्रष्टङ्क) पर कॉपर कॉन्ट्रैक्ट भी लगभग इसी स्तर पर कारोबार कर रहे थे। बाजार में सिर्फ कीमत ही नहीं बढ़ी है, बल्कि तुरंत सप्लाई हासिल करने के लिए खरीदारों को



प्रीमियम भी चुकाना पड़ रहा है।कॉपर की कीमतों में तेजी के पीछे ग्लोबल डिमांड और सप्लाई के बीच बढ़ता अंतर बड़ी वजह माना जा रहा है। पावर ग्रिड, इलेक्ट्रिक व्हीकल, रिन्यूएबल एनर्जी और डेटा सेंटर जैसे सेक्टर में कॉपर की जरूरत तेजी से बढ़ रही है। इसी वजह से लंदन मेटल एक्सचेंज के करीब बनी हुई हैं।

एयरटेल पेमेंट्स बैंक की नई चेयरपर्सन होंगी शबनम सिन्हा·

सुनील मित्तल 10 साल बाद पद छोड़ेंगे, 30 सितंबर को कंपनी के बोर्ड से हटेंगे

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

वर्ल्ड बैंक की पूर्व लीड स्पेशलिस्ट और इंडिपेंडेंट डायरेक्टर डॉ. शबनम सिन्हा 1 अक्टूबर 2026 से बैंक की नई चेयरपर्सन के तौर पर जिम्मेदारी संभालेंगी।

एयरटेल पेमेंट्स बैंक की नई चेयरपर्सन शबनम सिन्हा होंगी। वे 1 अक्टूबर 2026 से यह पद संभालेंगी। शबनम नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन सुनील भारती मित्तल की जगह लेंगी। मित्तल 30 सितंबर को अपना 10 साल का कार्यकाल पूरा करके बोर्ड से हट जाएंगे।डॉ. शबनम सिन्हा के पास बैंकिंग, गवर्नेंस और डिजिटल बदलाव का 30 से ज्यादा सालों का ग्लोबल अनुभव है। उन्होंने 2010-2025 यानी 15 साल वर्ल्ड बैंक में बतौर लीड स्पेशलिस्ट काम किया। यहां उन्होंने एशिया, यूरोप और अफ्रीका में 4 बिलियन डॉलर यानी करीब ?38,000 करोड़ से ज्यादा के प्रोजेक्ट्स की जिम्मेदारी संभाली।

वर्ल्ड बैंक से पहले वह ढ्ढरू·स्रस् एजुकेशन की



ष्टश्वह्र रह चुकी हैं और ह्लढ्ढष्ठ व ह्लष्टश्वत्रह्ल के साथ भी लंबे समय तक काम कर चुकी हैं। फिलहाल वह एयरटेल पेमेंट्स बैंक, वेदांता और भारत फाइनेंशियल इंक्लूजन जैसे बड़े संस्थानों के बोर्ड में शामिल हैं।शबनम सिन्हा बोली- जिम्मेदारी मिलना सम्मान की बात

डॉ. शबनम ने कहा कि एयरटेल पेमेंट्स बैंक की कमान संभालना मेरे लिए गर्व की बात है, खासकर ऐसे वक्त में जब डिजिटल बैंकिंग देश की तरक्की में सबसे अहम रोल निभा रही है। बैंक ने आसान तकनीक के जरिए एक ऐसा मजबूत और भरोसेमंद जरिया तैयार किया है,।

राज्यों का आरोप है कि मेटा को पता था ।

मेटा पर भारी जुर्माने का संकट

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

मेटा अब एक नए कोर्ट केस का सामना करने जा रही है, जहां जहां उसके ऊपर कई गंभीर आरोप लगे हैं. प्लेटफॉर्म पर आरोप हैं कि उसकी वजह से लोगों को सोशल मीडिया की लत लग रही है और उसके ऐप्स कई तरह के नुकसान पहुंचा जा रहे हैं।

साथ ही उसके ऐप्स की वजह से बच्चों की मेंटल हेल्थ भी प्रभावित हो रही है, जिसके कारण कंपनी को दर्जनों केस का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही कंपनी को 1।4 ट्रिलियन डॉलर (करीब 133।92 लाख करोड़ रुपये) के जुर्माने तक भरना पड़ सकता है।

नए मामले की सुनवाई मंगलवार को कैलिफोर्निया के ओकलैंड स्थित संघीय अदालत में शुरू की जाएगी। बीते सप्ताह मेटा ने इस मामले को खारिज कराने की मांग की थी, लेकिन कंपनी की अर्जी को कंपनी ने



स्वीकार नहीं किया।

सीईओ मार्क जकरबर्ग को पड़ेगा पेश

इस केस के दौरान मेटा के टॉप ऑफिसर्स और कंपनी के सीईओ मार्क जकरबर्ग तक की सुनवाई हो सकती है। साथ ही कंपनी पर बहुत मोटा जुर्माना तक लगाया जा सकता है। राज्यों ने मेटा पर आरोप लगाया था कि मेटा ने जानबूझकर ऐसे फीचर्स को तैयार किया है, जो असल में यूजर्स को उसके प्लेटफॉर्म का आदि बनाते हैं।

2023 में मेटा के खिलाफ दायर केस से कनेक्ट हैं

यह मामला साल 2023 में कई अमेरिकी राज्यों की ओर से मेटा के खिलाफ दायर किए गए केस से कनेक्टेड है। यह कार्रवाई कंपनी की सुरक्षा नीतियों को लेकर कई राज्यों की जांच के बाद हुई, जिसके बाद जांच में बच्चों और किशोरों को होने वाले गंभीर नुकसान सामने आए थे। ये जानकारी मीडिया रिपोर्ट्स में दी है।

मेटा के खिलाफ आरोप सुनेंगें

सुनवाई के दौरान जज यवोन गोंजालेज रोजर्स कैलिफोर्निया, कोलोराडो, केंटकी और न्यू जर्सी के आरोपों को सुनेंगे, जिसमें मेटा पर आरोप लगाए हैं। आरोप है कि मेटा ने अपने ऐप्स की सुरक्षा को लेकर जानबूझकर गुमराह किया और उपभोक्ता संरक्षण कानूनों का उल्लंघन किया।

चार राज्यों समेत कुल 29 राज्य मेटा पर चिल्ड्रन ऑनलाइन प्राइवेसी प्रोटेक्शन एक्ट के उल्लंघन के आरोप लग चुके हैं। राज्यों का आरोप है कि मेटा को पता था ।

विदेश में मारुति सुजुकी फॉन्क्स की बंपर डिमांड



विदेश में मारुति सुजुकी फॉन्क्स की बंपर डिमांड

मारुति सुजुकी भारत में सबसे ज्यादा कारें बेचती है. मारुति सिर्फ भारत के लिए ही नहीं बल्कि विदेशों में एक्सपोर्ट के लिए भी कई कारें बनाती है। ऐसी ही एक कार मारुति सुजुकी फ्रॉन्क्स है, जो काफी ज्यादा एक्सपोर्ट हो रही है। इस कार की 2 लाख यूनिट्स को भारत से बाहर एक्सपोर्ट किया जा चुका है। इस आंकड़े तक यानी 2 लाख एक्सपोर्ट तक मारुति सुजुकी फ्रॉन्क्स सबसे तेजी से पहुंची है। कॉम्पैक्ट एसयूवी को यहां तक पहुंचने में 38 महीनों का वक्त लगा है। फ्रॉन्क्स का एक्सपोर्ट जून 2023 में शुरू हुआ। फिलहाल इस मेड इन इंडिया एसयूवी को 90 देशों में एक्सपोर्ट किया जाता है। मारुति इस कार की मैन्युफैक्चरिंग गुजरात के हंसलपुर प्लांट में करती है।



मैं कट्टर ईमानदार हूं

अभी अपने शहर की गलियों से गुजर रहा था तो गली में कॉर्नर पर एक बोर्ड लगा था, उसमें लिखा था- ईमानदार नेता। मैं कई एंगल से उस बोर्ड को देखता रहा। मैंने आसपास गुजर रहे लोगों से पूछा कि क्या आपने इन महाशय की ईमानदारी के कोई किस्से सुने हैं? लगभग सभी ने न में अपना सिर हिला दिया। दो-चार लोगों ने कहा कि इनके शासन में हर चीज बिकाऊ है और हर काम पैसे देकर होता है। लेकिन क्योंकि कभी सीबीआई और ईडी की रेड नहीं पड़ी है, इसलिए ईमानदार हैं। मुझे लगा कि इन महाशय की बगल में मुझे भी अपनी एक तस्वीर टांग देनी चाहिए और नीचे लिख देना चाहिए- 'ईमानदार हम भी कम नहीं! हर काम का हमारा रेट फिक्स है।' सोचता हूं, आखिर ईमानदारी की नई परिभाषा किसने लिखी है? कभी ईमानदार वह हुआ करता था जो गलत काम करने से डरता था, अब ईमानदार वह है जिसके गलत काम की खबर बाहर नहीं आती। पहले ईमानदारी चरित्र की चीज थी, अब यह एक सर्टिफिकेट जैसी हो गई है। जब तक कोई जांच एजेंसी दरवाजे पर दस्तक न दे, तब तक आदमी पाक-साफ है। जिस दिन दस्तक पड़ गई, उसी दिन ईमानदारी की परिभाषा भी बदल जाती है। मुझे तो लगता है कि अब ईमानदार होने के लिए किसी अच्छे चरित्र की जरूरत नहीं, बस अच्छी टाइमिंग चाहिए। काम ऐसा हो कि शिकायत करने वाला थक जाए और जांच करने वाला पहुंचने से पहले रास्ता भूल जाए।फिर आप आराम से अपना बोर्ड लगवा सकते हैं- 'ईमानदार नेता।' हमारे यहां बोर्डों का भी बड़ा महत्व है। बोर्ड पर अगर लिख दिया जाए कि दुकान में शुद्ध घी मिलता है तो ग्राहक घी की शुद्धता जांचने की बजाय बोर्ड पर विश्वास कर लेता है। उसी तरह किसी नेता के आगे अगर 'ईमानदार' लिख दिया जाए तो जनता भी सोचती है कि जरूर कोई बात होगी। आखिर इतने बड़े-बड़े अक्षरों में झूठ थोड़े ही लिखा होगा! हालांकि आजकल ईमानदारी का एक और फायदा है। अगर आपके पास बहुत कुछ है और कोई पूछ बैठे कि यह सब कहां से आया, तो बस मुस्कुराकर कह दीजिए- 'मैं ईमानदार आदमी हूं।'

(एक नजर)

4 अक्टूबर को महालक्ष्मी राजयोग

अक्टूबर की शुरुआत में ग्रहों की स्थिति में बड़ा बदलाव होने जा रहा है. 4 अक्टूबर 2026 को चंद्रमा मिथुन राशि से निकलकर कर्क राशि में प्रवेश करेंगे. कर्क राशि में पहले से मंगल और गुरु की स्थिति रहेगी. ऐसे में चंद्रमा का मंगल के साथ संयोग बनेगा, जिसे ज्योतिष में चंद्र-मंगल योग या महालक्ष्मी राजयोग कहा जाता है. इसी दौरान चंद्रमा की गुरु के साथ युति से गजकेसरी राजयोग भी बनने की बात कही जा रही है. ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, इन योगों का प्रभाव आर्थिक मामलों, नौकरी और कारोबार से जुड़े क्षेत्रों में देखने को मिल सकता है. चंद्रमा को मन और भावनाओं का कारक माना जाता है, जबकि मंगल ऊर्जा, साहस और पराक्रम से जुड़े ग्रह हैं. दोनों की युति को धन और आर्थिक प्रगति से जोड़कर देखा जाता है. हालांकि किसी व्यक्ति पर योग का वास्तविक प्रभाव उसकी जन्मकुंडली में ग्रहों की स्थिति पर निर्भर करता है. योतिषीय गणना के अनुसार, 4 अक्टूबर 2026 को सुबह 6 बजकर 31 मिनट पर चंद्रमा कर्क राशि में प्रवेश करेंगे और 6 अक्टूबर रात 10 बजकर 17 मिनट तक इसी राशि में रहेंगे. इस दौरान कर्क राशि में मौजूद मंगल के साथ चंद्रमा की युति होगी. कर्क राशि में गुरु की मौजूदगी के कारण चंद्रमा की गुरु के साथ भी युति बनेगी. मंगल के कर्क राशि में नीच स्थिति में होने की बात ज्योतिष में कही जाती है।

विचार

4 साल में पहली बार एक सुर में बोले रूस और यूक्रेन

-नीरज कुमार दुबे

लेकरव

चार साल से ज्यादा समय से जंग लड़ रहे रूस और यूक्रेन के मोर्चे भले आज भी आमने-सामने हों, लेकिन शांति के सवाल पर दोनों तरफ से निकली आवाज पहली बार एक ही दिशा में जाती दिखाई दी है। और यह दिशा दी है भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने। यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने भारत के प्रस्ताव को युद्ध समाप्त करने के लिए सामने आए चार प्रस्तावों में सबसे व्यापक बताया है। दूसरी तरफ रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी खुलकर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी लगातार इस संघर्ष को खत्म करने का सवाल उठाते रहे हैं और उनके पास दोनों पक्षों को स्वीकार्य समाधान के लिए बहुत अच्छे विचार हैं।

भारत की पहल की व्यापकता का सबसे बड़ा संकेत यही है कि यह केवल गोलाबारी रोकने तक सीमित नहीं दिखती। इसमें ऊर्जा सुरक्षा, बंदरगाहों, काला सागर में व्यापार और कृषि आपूर्ति जैसे उन क्षेत्रों को जोड़ने की कोशिश है, जिनका सीधा संबंध युद्ध से बाहर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था और खाद्य सुरक्षा से है।

चार साल से ज्यादा समय से जंग लड़ रहे रूस और यूक्रेन के मोर्चे भले आज भी आमने-सामने हों, लेकिन शांति के सवाल पर दोनों तरफ से निकली आवाज पहली बार एक ही दिशा में जाती दिखाई दी है। और यह दिशा दी है भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने। यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने भारत के प्रस्ताव को युद्ध समाप्त करने के लिए सामने आए चार प्रस्तावों में सबसे व्यापक बताया है। दूसरी तरफ रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी खुलकर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी लगातार इस संघर्ष को खत्म करने का सवाल उठाते रहे हैं और उनके पास दोनों पक्षों को स्वीकार्य समाधान के लिए ÷बहुत अच्छे विचार÷ हैं। देखा जाये तो युद्ध के मैदान में एक-दूसरे पर हमला कर रहे मॉस्को और कीव की तरफ से आई इन टिप्पणियों ने भारत की उस कूटनीतिक पहल को अचानक केंद्र में ला दिया है, जो अब तक बंद कमरों की बातचीत से निकलकर अंतरराष्ट्रीय मंच पर दिखाई देने लगी है।

यह घटनाक्रम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि पहली बार यूक्रेन की ओर से भारत की पहल को सार्वजनिक रूप से इतनी स्पष्ट मान्यता मिली है। सिबिहा के अनुसार भारत ने पहली बार इस प्रक्रिया में भूमिका निभाने की इच्छा का संकेत दिया है। यूक्रेन ऊर्जा क्षेत्र और काला सागर में युद्धविराम पर विचार करने को तैयार है, बशर्ते ऊर्जा तथा बंदरगाह ढांचे पर हमले भी रुकें। साथ ही कीव ने संपर्क रेखा पर बिना शर्त युद्धविराम के विकल्प को भी खुला बताया है।उधर, भारत की पहल की व्यापकता का सबसे बड़ा संकेत यही है कि यह केवल गोलाबारी रोकने तक सीमित नहीं दिखती। इसमें ऊर्जा सुरक्षा, बंदरगाहों, काला सागर में व्यापार और कृषि आपूर्ति जैसे उन क्षेत्रों को जोड़ने की कोशिश है, जिनका सीधा संबंध युद्ध से बाहर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था और खाद्य सुरक्षा से है। वहीं तुर्किये और मिस्र की पहल मुख्यतः काला सागर तथा अनाज निर्यात से जुड़ी बताई गई है, जबकि अमेरिका की पहल ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर हमले रोकने पर केंद्रित है।



यहीं पुतिन का बयान बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है। उन्होंने कहा कि मोदी रूस के साथ अच्छे और मित्रतापूर्ण संबंध होने के बावजूद लगातार युद्ध समाप्त करने का प्रश्न उठाते हैं और दोनों पक्षों के लिए स्वीकार्य समाधान खोजने में उनकी गहरी रुचि है। पुतिन ने मोदी के शांतिपूर्ण तरीके से और जल्द से जल्द संघर्ष समाप्त करने के प्रयासों के लिए आभार भी जताया।

देखा जाये तो मोदी की यह भूमिका अचानक पैदा नहीं हुई। वर्ष 2022 में ही उन्होंने कहा था कि ÷यह युद्ध का युग नहीं है।÷ जुलाई 2024 में रूस की यात्रा के दौरान उन्होंने साफ कहा था कि बम, बंदूक और गोलियों के बीच शांति वार्ता सफल नहीं हो सकती और समाधान युद्धभूमि पर नहीं निकलेगा। 31 अगस्त 2026 को बिश्केक में पुतिन से मुलाकात के दौरान भी उन्होंने ÷अनंत युद्ध÷ से ÷युद्ध की समाप्ति÷ की दिशा में बढ़ने की बात कही थी।यहीं इस पूरे घटनाक्रम का सबसे बड़ा सामरिक संदेश छिपा है। रूस से भारत के गहरे संबंध हैं, जबकि यूक्रेन के साथ भी भारत ने संवाद के रास्ते खुले रखे हैं। ऐसे समय में यदि भारत रूस तक अपनी बात पहुंचा सकता है और यूक्रेन भी उसकी पहल को व्यापक प्रस्ताव मानता है।

विचार

आफत बनता यूएस बॉन्ड

संतोष जैन

लेखक

होम लोन, कार लोन और दुनियाभर के कॉर्पोरेट कर्ज की ब्याज दरें इसी 10-साल की यील्ड से तय होती हैं. 20-साल और 30-साल की बॉन्ड यील्ड- ये लंबी अवधि के कर्ज को दर्शाती हैं. इनका इस्तेमाल पेंशन फंड, इंश्योरेंस कंपनियां और बुनियादी ढांचे में दीर्घकालिक निवेश के जोखिम को मापने के लिए किया जाता है. जब 30-साल की यील्ड तेजी से बढ़ती है, तो इसका मतलब है कि लंबे समय तक महंगाई और ब्याज दरें ऊंची बनी रहेंगी. इस बीच 1 अक्टूबर 2026 तक अमेरिकी बॉन्ड बाजार में यील्ड्स पिछले दो दशकों के उच्चतम स्तरों के आसपास बनी हुई हैं. 10-साल की यील्ड- 5.30त्न 20-साल की यील्ड- 5.50त्न30-साल की यील्ड- 5.62त्न दरअसल, पिछले कुछ महीनों के दौरान अमेरिकी बॉन्ड यील्ड तेजी से बढ़ी है. पिछले 3 महीनों के दौरान यील्ड्स में लगभग 50 बेसिस पॉइंट्स की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

अमेरिका दुनिया में सबसे शक्तिशाली देश है. अमेरिकी नीतियां पूरी दुनिया को प्रभावित करती हैं. इसी कड़ी में अब अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में लगातार उछाल से वैश्विक अर्थव्यवस्था हिलती नजर आ रही है. दरअसल, जब अमेरिका में बॉन्ड यील्ड बढ़ती है, तो उसकी धमक भारतीय शेयर बाजार से लेकर भारतीय रुपया तक में सुनाई देती है. आइए आसान भाषा में समझते हैं कि ये बॉन्ड यील्ड का क्या मसला है? भारत जैसे देशों पर कैसे सीधा असर पड़ रहा है? सरल शब्दों में कहें तो बॉन्ड सरकार द्वारा जनता या निवेशकों से लिया गया एक प्रकार का कर्ज है. जब अमेरिकी सरकार को पैसे की जरूरत होती है, तो वह सरकारी कागज जारी करती है, जिसे बॉन्ड कहा जाता है. इसे मापने के दो पैमाने हैं- कूपन रेट और बॉन्ड यील्ड. कूपन रेट बॉन्ड पर मिलने वाला तय ब्याज है, जबकि बॉन्ड पर मिलने वाला वास्तविक रिटर्न को बॉन्ड यील्ड कहा जाता है. नियम के मुताबिक बॉन्ड की कीमत और उसकी यील्ड हमेशा उल्टी दिशा में चलती हैं. जब बाजार में बॉन्ड की कीमत गिरती है, तो उसकी यील्ड बढ़ जाती है. अमेरिकी बॉन्ड को दुनिया का सबसे सुरक्षित निवेश माना जाता है, क्योंकि इसके पीछे अमेरिकी सरकार की गारंटी होती है. जब इस सुरक्षित जगह पर यील्ड बढ़ती है, तो दुनियाभर का पैसा अपनी जगह छोड़कर अमेरिका की तरफ भागने लगता है. यील्ड के साथ जुड़ा टेन्योर यह बताता है कि सरकार कितने समय के लिए कर्ज ले रही है. 10-साल की बॉन्ड यील्ड-यह पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था का ग्लोबल बेंचमार्क है. होम लोन, कार लोन और दुनियाभर के कॉर्पोरेट कर्ज की ब्याज दरें इसी 10-साल की यील्ड से तय होती हैं. 20-साल और 30-साल की बॉन्ड यील्ड- ये लंबी अवधि के कर्ज को दर्शाती हैं. इनका इस्तेमाल पेंशन फंड, इंश्योरेंस कंपनियां और बुनियादी ढांचे में दीर्घकालिक निवेश के जोखिम को मापने के लिए किया जाता है. जब 30-साल की यील्ड तेजी से बढ़ती है, तो इसका मतलब है कि निवेशकों को लगता है कि लंबे समय तक महंगाई और ब्याज दरें ऊंची बनी रहेंगी. इस बीच 1 अक्टूबर 2026 तक अमेरिकी बॉन्ड बाजार में यील्ड्स पिछले दो दशकों के उच्चतम स्तरों के आसपास बनी हुई हैं. 10-साल की यील्ड- 5.30त्न 20-साल की यील्ड- 5.50त्न30-साल की यील्ड- 5.62त्न दरअसल, पिछले कुछ महीनों के दौरान अमेरिकी बॉन्ड यील्ड तेजी से बढ़ी है. पिछले 3 महीनों के दौरान यील्ड्स में लगभग



50 बेसिस पॉइंट्स की बढ़ोतरी दर्ज की गई है. जबकि बीते एक साल में अमेरिकी बॉन्ड यील्ड्स में 60 से 90 बेसिस पॉइंट्स तक की बड़ी तेजी आई है. आंकड़ों को देखें तो 10-साल की यील्ड 5.30त्न तक पहुंच चुकी है. यह स्तर आखिरी बार 2007 और 2002 के दौरान देखा गया था. वहीं 30-साल की यील्ड 5.60त्न से ऊपर निकलकर 21वीं सदी के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है. अमेरिका में ऊंची ब्याज दरें बॉन्ड यील्ड में इजाफे का सबसे बड़ा कारण हैं. अमेरिकी फेडरल रिजर्व महंगाई को काबू में रखने के लिए लंबे समय से ब्याज दरों को उच्च स्तर पर बनाए रखे हुए है. अमेरिकी सरकार पर भारी कर्ज दूसरा बड़ा कारण है, जिससे अमेरिकी बजट घाटा बहुत बढ़ गया है. रिपोर्ट बताती है कि कर्ज चुकाने और खर्च चलाने के लिए सरकार रिकॉर्ड मात्रा में नए बॉन्ड जारी कर रही है. यही नहीं, जब बाजार में बॉन्ड की सप्लाई बहुत ज्यादा होती है और खरीदार कम होते हैं, जिससे बॉन्ड की कीमतें गिर जाती हैं और यील्ड अपने आप बढ़ जाती है. अमेरिका में यील्ड बढ़ने का सीधा झटका भारत जैसे उभरते बाजारों को लगता है. इसका सबसे बड़ा भारतीय शेयर बाजार पर देखने को मिल रहा है. विदेशी निवेशक भारतीय बाजार से अपना पैसा निकालकर अमेरिकी बॉन्ड में लगा रहे हैं, क्योंकि वहां बिना किसी जोखिम के बेहतर रिटर्न मिल रहा है. डॉलर की मांग बढ़ने से भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले कमजोर होता है. फिर रुपया कमजोर होने से भारत का क्रूड ऑयल और अन्य आयात महंगे हो जाते हैं, जिससे घरेलू स्तर पर महंगाई और लोन की श्वस्छ बढ़ सकती है. इस वैश्विक उथल-पुथल से बचने के लिए भारत और अन्य उभरते देशों को मुख्य रूप से तीन रणनीतियों पर काम करना होगा. पहला- आरबीआई अपने फॉरेक्स रिजर्व का इस्तेमाल करके रुपये में होने वाली अत्यधिक गिरावट को रोक सकता है. दूसरा- विदेशी फंड्सकी निर्भरता कम करने के लिए घरेलू म्यूचुअल फंड्स और खुदरा निवेशकों को मजबूत करना जरूरी है, जो भारतीय शेयर बाजार को स्थिरता देते हैं. तीसरा- अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम करने के लिए अन्य देशों के साथ भारतीय रुपये में सीधे व्यापार को बढ़ावा देना होगा. अमेरिकी बॉन्ड यील्ड का बढ़ना एक वैश्विक वित्तीय लहर की तरह है. लेकिन मजबूत आर्थिक बुनियाद और सतर्क मौद्रिक नीतियों के दम पर भारत इस उथल-पुथल को झेलने की क्षमता रखता है. भारत का बॉन्ड बाजार तुलनात्मक रूप से स्थिर और मजबूत स्थिति में है. 10-साल का भारतीय बेंचमार्क बॉन्ड 7.16त्न के आसपास कारोबार कर रहा है. 30-साल का भारतीय बॉन्ड 7.65त्न के स्तर पर बना हुआ है. भारत सरकार और राज्य सरकारें अपनी वित्तीय जरूरतों और बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए नियमित रूप से सरकारी बॉन्ड जारी करती हैं. सरकार के मर्चेंट बैंकर के रूप में इन बॉन्ड की नीलामी का मैनजमेंट संभालता है. सबसे प्रमुख कारणों में से एक है. जब 10-साल की अमेरिकी बॉन्ड यील्ड

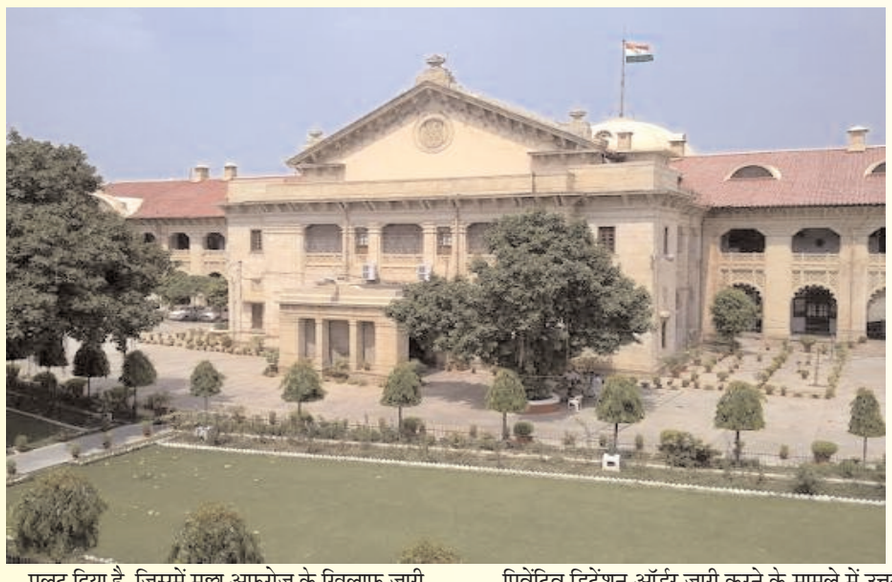
विचार

रासुका के दुरुपयोग पर उठते सवाल

धीरेंद्र राय,

लेखक

कफील खान के मामले में भी बाद में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने एनएसए को अवैध बताते हुए इसे रद्द कर दिया था। कानूनी विशेषज्ञों और अदालतों ने कई मौकों पर चिंता जताई है कि पुलिस और जिला प्रशासन अक्सर सामान्य कानून-व्यवस्था के मामलों, राजनीतिक विरोधों, और यहां तक कि स्थानीय विवादों जैसे गोकशी, बिजली चोरी या माफिया मामलों में भी बिना पुख्ता आधार के एनएसए का सहारा लेते हैं। इस कानून का दुरुपयोग रोकने को ठोस उपाय होने चाहिए। देश में राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के दुरुपयोग पर सवाल उठते रहे हैं। उच्चतम न्यायालय और विभिन्न उच्च न्यायालयों के कई फैसले से जाहिर हो गया कि सरकारें किस तरह से इस कानून का इस्तेमाल करके राजनीतिक स्वार्थ सिद्धि में लगी हुई हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के दुरुपयोग ने उत्तर प्रदेश की योगी सरकार की फजीहत करा दी। संभल हिंसा मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाते हुए मुल्ला अफरोज की एनएसए के तहत हिरासत को रद्द कर दिया। इतना ही नहीं उत्तर प्रदेश सरकार पर 10 लाख का जुर्माना भी लगा दिया। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस फैसले को



पलट दिया है, जिसमें मुल्ला अफरोज के खिलाफ जारी डिटेंशन ऑर्डर को सही ठहराया गया था। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस शील नागु की बेंच ने कहा कि प्रीवेंटिव डिटेंशन यानी एहतियाती हिरासत के लिए सिर्फ एक्स्ट्रा-जुडिशियल कंफेशन, अर्थात न्यायालय के बाहर किए गए कथित कबूलनामे को ही एकमात्र आधार नहीं बनाया जा सकता है। कोर्ट ने गैर-कानूनी प्रिवेंटिव डिटेंशन ऑर्डर जारी करने के मामले में उत्तर प्रदेश सरकार पर 10 लाख रुपए का जुर्माना लगाते हुए कहा कि हिरासत में लेने वाले अधिकारी को मामले से जुड़ी अन्य परिस्थितियों पर भी विचार करना चाहिए था। सुनवाई में अदालत ने पाया कि मुल्ला अफरोज के मामले में अधिकारियों ने अपनी शक्तियों का गलत इस्तेमाल किया है। संभल में नवंबर 2024 में शाही जामा मस्जिद में कोर्ट के आदेश पर हुए सर्वे के दौरान हिंसा के आरोप में मुल्ला अफरोज को गिरफ्तार किया गया था।ाद में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उसे जमानत दे दी थी। इसके बाद 13 अक्टूबर 2025 को मुल्ला अफरोज के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत डिटेंशन ऑर्डर जारी किया गया। दरअसल सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला योगी सरकार और भाजपा के लिए दोहरा झटका है। पहला तो एनएसए का दुरुपयोग और दूसरा अल्पसंख्यकों के प्रति नजरिया। अल्पसंख्यकों के मामले में सख्ती के भाजपा सरकारों पर पहले भी आरोप लगते रहे हैं। इससे पहले इलाहाबाद हाई कोर्ट ने नोएडा में गत अप्रैल में हुए मजदूरों के विरोध प्रदर्शन के दौरान छात्रा आकृति चौधरी को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत हिरासत में रखने पर गौतम बुद्ध नगर की जिलाधिकारी अर्थात डीएम रूपम पर पांच लाख रुपए का जुर्माना लगाया था। यह राशि उनकी सैलरी से काटकर छात्रा को देने का निर्देश दिया गया था। रूपम ने हाई कोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी। भाजपा की राज्यों सरकारों द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा कानून का दुरुपयोग करने के मामलों की लंबी फेहरिस्त है। भाजपा सरकारों को आलोचना पसंद नहीं है। राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम अर्थात रासुका (1980) का मुख्य उद्देश्य देश की सुरक्षा और लोक व्यवस्था को बनाए रखना है। हालांकि विपक्ष, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं और कानूनी विश्लेषकों द्वारा केंद्र और विभिन्न राज्यों की भाजपा सरकारों पर राजनीतिक विरोधियों, आलोचकों और प्रदर्शनकारियों की आवाज दबाने के लिए इस कानून का दुरुपयोग करने के गंभीर आरोप लगते रहे हैं। पिछले साल सितंबर में लेह में हुए विरोध प्रदर्शनों के सिलसिले में पर्यावरणविद और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को हिरासत में लिया गया और राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत राजस्थान की जोधपुर जेल में डाल दिया गया। सरकार ने कहा कि हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बाद सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए वांगचुक को हिरासत में लिया गया था। देश भर में हुई मोदी सरकार की तीखी आलोचना के बाद केंद्र सरकार ने मजबूर होकर वांगचुक से एनएसए हटा लिया और उन्हें रिहा किया गया। यह वही सोनम वांगचुक हैं जिन्होंने नीट पेपर लीक प्रकरण में मोदी सरकार की सत्ता की नींव को हिला कर दिया था।वांगचुक ने नीट परीक्षा में अनियमितताओं और शिक्षा मंत्री के खिलाफ जंतर-मंतर पर 28 जून 2026 से भूख हड़ताल शुरू की थी। तबीयत बिगडऩे और 26 दिनों तक चले अनशन के बाद, केंद्रीय मंत्रियों (जेपी नड्डा और डा. जितेंद्र सिंह) के लिखित आश्वासन और सांसदों की अपील पर उन्होंने 24 जुलाई 2026 को गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में अपना अनशन समाप्त किया। विडंबना यह है कि जिस वांगचुक पर एनएसए लगाया गया, उन्हीं का अनशन शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे का एक बड़ा कारण बना।

जिंदगी से जुड़ी फील्ड है

एनवायरनमेंटल साइंस ऊर्जा को बचाने, बायोडायवर्सिटी, क्लाइमेट चेंज, ग्राउंड वॉटर आदि के अध्ययन वाला विषय है। एकेडमिक तौर पर देखें तो एनवायरनमेंटल साइंस का दायरा काफी व्यापक है और इस कोर्स में अध्ययन के दौरान सिर्फ भौतिकी या बायोलॉजिकल साइंस का ही नहीं बल्कि इकोलॉ जी, भौतिकी, रसायन विज्ञान, बायोलॉजी और ज्योलॉजी का भी अध्ययन किया जाता है।



पर्यावरण हमारी जिंदगी में अहम भूमिका निभाता है। चाहे बात खाने के अनाज की हो, रहने के लिए घर की हो, पहनने के लिए कपड़े की हो या फिर पानी, सूर्य की रोशनी, हवा की हो। सभी कुछ इसी पर्यावरण पर निर्भर करता है। इसलिए जब पर्यावरण को नुकसान पहुंचता है तो उसका कहीं न कहीं प्रभाव हमारे जीवन पर पड़ता है। औद्योगिक विकास की रफ्तार ने पर्यावरण को लीलने का काम किया है। यही कारण है कि सभी का ध्यान इस ओर गया है। ऐसे में, एनवायरनमेंटल साइंस से जुड़े लोगों की मांग काफी बढ़ गई है। मूल रूप से एनवायरनमेंटल साइंस ऊर्जा को बचाने, बायोडायवर्सिटी, क्लाइमेट चेंज, ग्राउंड वॉटर आदि के अध्ययन वाला विषय है। एकेडमिक तौर पर देखें तो एनवायरनमेंटल साइंस का दायरा काफी व्यापक है और इस कोर्स में अध्ययन के दौरान सिर्फ भौतिकी या बायोलॉजिकल साइंस का ही नहीं बल्कि इकोलॉ जी, भौतिकी, रसायन विज्ञान, बायोलॉजी और ज्योलॉजी का भी अध्ययन किया जाता है।

एनवायरनमेंटल साइंस के अध्ययन की बात पहली बार 1977 में स्टॉकहोम में हुई कांफ्रेंस में सामने आई थी। औद्योगिक विकास की अंधी दौड़ में आज जिस तरह पर्यावरण को नुकसान पहुंच रहा है, वह किसी से अछूता नहीं है। ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन से लेकर ग्लेशियर के पिघलने या फिर पर्यावरण प्रदूषण आदि का मामला सभी कुछ इसी से जुड़ा हुआ है। आज के दौर में सरकार से लेकर स्वयंसेवी संगठन तक सभी पर्यावरण को लेकर जागरूक हो रहे हैं। एनवायरनमेंटल साइंस से संबंधित कोर्स यानी ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट करने वाले छात्र कंस्ट्रक्शन, केमिकल, मैन्युफैक्चरिंग और एनर्जी के फील्ड में करियर बना सकते हैं। इसके अलावा और भी कई फील्ड हैं जहां इससे संबंधित डिग्री हासिल करने वाले छात्र करियर को नई मंजिल तक पहुंचा सकते हैं।

एनवायरनमेंटल साइंटिस्ट

इससे जुड़े लोग वातावरण पर मनुष्यों द्वारा पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन करते हैं। वे टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट को लेकर शोध करते हैं और एनवायरनमेंटली फ्रेंडली प्रैक्टिस को लेकर संबद्ध संस्थानों को सुझाव भी देते हैं।



एनवायरनमेंटल इंजीनियर्स

इस फील्ड से जुड़े लोग वास्ट मैनेजमेंट, लीन मैन्युफैक्चर, रिसाइक्लिंग, इमिशन कंट्रोल, इनवायरेनमेंटल सस्टेनेबिलिटी और पब्लिक हेल्थ मामलों का अध्ययन करते हैं।

एनवायरनमेंटल लॉबिस्ट

ये सरकारी अधिकारियों, नेताओं और संबंधित स्वयंसेवी संस्थानों को पर्यावरण मामलों और नीतियों की जानकारी देते हैं।

एनवायरनमेंटल एजुकेटर

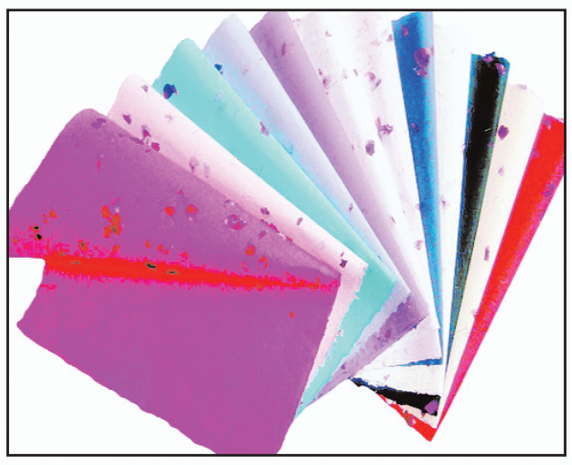
इससे जुड़े लोग एनवायरनमेंटल साइंस या फिर इससे संबंधित विषयों यानी इकोलॉजी या हाइड्रोलॉजी छात्रों को पढ़ाते हैं। इसके अलावा, एनवायरनमेंटल बायोलॉजिस्ट, एनवायरनमेंटल मॉडलर्स, एनवायरनमेंटल जर्नलिस्ट या पर्यावरण से संबंधित तकनीकविदों की तरह भी कार्य कर सकते हैं।

वेतन – एनवायरनमेंटल साइंस में बैचलर डिग्री करने वाले छात्रों को आसानी से 15-30 हजार रुपये मासिक की नौकरी मिल जाती है। जिन्होंने इस विषय में पोस्ट ग्रेजुएट किया है, उन्हें कम से कम 35-50 हजार रुपये मासिक तौर पर तो मिलते ही हैं। जो लोग पीएचडी करने के बाद बतौर साइंटिस्ट या कंसल्टेंट कार्य करते हैं, उनका वेतन शुरुआत में 50-75 हजार रुपये के बीच होता है।

संस्थान – अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, यूपी दिल्ली कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, दिल्ली डिपार्टमेंट ऑफ एनवायरनमेंटल बायोलॉजी, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, दिल्ली स्कू ल ऑफ एनवायरनमेंटल साइंसे ज, जेएनयू, नई दिल्ली पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर, यूपी चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ, यूपी

हस्तनिर्मित कागज उद्योग
फलता-फूलता रोजगार

भारत में हस्तनिर्मित कागज उद्योग का इतिहास बहुत पुराना है। मुगल काल से इसके प्रमाण मिलते हैं। यह उद्योग भारत के सामाजिक परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसमें सबसे खास बात यह है कि यह उद्योग अपशिष्ट पदार्थ को रिसाइकिलिंग प्रणाली द्वारा उच्चकोटि के कागज में तब्दील कर देता है। इसके अलावा, इसमें कम खर्च में अधिक लोगों को रोजगार दिया जाता है। असम, मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश एवं नगालैंड जैसे राज्यों में हस्तनिर्मित कागज के उद्योग खूब फल फूल रहा है। जबकि भारत के ग्रामीण क्षेत्रों के लगभग 10-15 हजार लोग इस व्यवसाय से जुड़े हुए हैं।



शैक्षिक योग्यता की दरकार

इस रोजगार को प्रारंभ करने से पहले यदि आप प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहते हैं तो आपको दसवीं की परीक्षा उत्तीर्ण होना बहुत जरूरी है। प्रशिक्षण के पश्चात आप विशेष योग्यता से लैस हो जाएंगे, बल्कि रोजगार से संबंधित बारीकियां भी आपको मालूम हो सकेंगी। यदि आपके पास इस व्यवसाय से संबंधित जानकारी पहले से ही मौजूद है तो पांचवीं की डिग्री भी महत्वपूर्ण है यानी आपको सिर्फ साक्षर होना आवश्यक है। उम्र-सीमा 18 वर्ष से कम न हो।

संबंधित पाठ्यक्रम

इसमें मुख्यत- हैंडमेड पेपर में सर्टिफिकेट कोर्स (एक से दो सप्ताह), पेपर कंजरवेशन कोर्स (दो माह), इंटरप्रिन्योरशिप कोर्स (दो माह) तथा हैंडमेड पेपर में एडवांस कोर्स (एक वर्ष) आदि शामिल हैं।

फीस एवं प्रशिक्षण अवधि

यदि आप प्रशिक्षण खादी ग्राम उद्योग कमीशन (केवीआईसी) से प्राप्त करते हैं तो आपको सिर्फ 200 रुपए मामूली फीस में प्रशिक्षण मिल सकता है। जबकि प्रशिक्षण अवधि 2-3 हफ्तों की होती है। इस दौरान प्रशिक्षु को अपशिष्ट पदार्थों को रिसाइकिल कर आकर्षक कागज में परिवर्तित करने की कला सिखा दी जाती है। रिसाइकिलिंग में टेलर कटिंग, होजरी कटिंग तथा छोटे-छोटे टुकड़ों के सहारे उच्चकोटि के उपयोगी पेपर तैयार किए जाते हैं।

खर्च एवं सुविधा

हस्त निर्मित कागज उद्योग का यूनिट लगाने में कम से कम 40-70 हजार रुपए की लागत आती है। प्रारंभ में यह जरूरी है कि यूनिट छोटी ही लगाई जाए। बाद में सफल होने तथा डिमांड अधिक होने पर यूनिट की क्षमता इच्छानुसार बढ़ा सकते हैं। इस रोजगार के लिए ग्रामीण विकास मंत्रालय ने किसी भी व्यक्ति को प्रोजेक्ट के क्रियान्वयन के लिए अधिकतम 25 लाख रुपए तक के ऋण का प्रबंध किया है। इसके साथ ही महिलाओं, अनुसूचित जातियों,

प्रशिक्षण दिलाने वाले संस्थान

ऐसे कई संस्थान हैं जो अपने यहां से हस्तनिर्मित कागज से जुड़ा प्रशिक्षण दिलाते हैं-

- खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (गांधी दर्शन), राजघाट, नई दिल्ली-110002 (संस्थान का पूरे भारत में कई जगह प्रशिक्षण केंद्र मौजूद)
- डॉ राजेन्द्र प्रसाद मल्टी डिस्प्लीनरी ट्रेनिंग सेंटर, खादी एवं विलेज इंडस्ट्रीज कमीशन, शेखपुरा, पटना-14
- कुमारप्पा नेशनल हैंडमेड पेपर इंस्टीटच्यूट, सांगानेर, राजस्थान-302022

टूरिज्म गाइड, मेहनती युवाओं के लिए

पर्यटन आज सांस्कृतिक पहचान पुख्ता करने के साथ रेवेन्यू अर्जित करने का भी जरिया बन रहा है। ऐसे में स्थानीय सरकारें देश में पर्यटन को बढ़ावा देने की पुरजोर कोशिश कर रही हैं। भारतीय गांवों की सैर विदेशी पर्यटकों के लिए किसी रोमांच से कम नहीं है। यहां के घर, बच्चों के खेल, महिलाओं का ओढना-पहनना, खेत-खलिहान, दैनिक गतिविधियां, अर्थव्यवस्था आदि उन्हें इतने आकर्षित करते हैं कि पर्यटक महीनों यहां डेरा डाले रहते हैं।

टूरिस्ट गाइड का कार्य

किसी भी देश की सामाजिक, सांस्कृतिक परंपराओं से पर्यटकों को अवगत कराने में टूरिस्ट गाइड की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। टूरिस्ट गाइड पर्यटकों के साथ रहकर उन्हें जाने-अनजाने और अनछुए पहलुओं से वाकिफ कराते हैं। यही वो कारण है जिसके चलते आज टूरिस्ट गाइड एक आकर्षक कॅरियर विकल्प के तौर पर अपनी जगह बना चुका है। संबंधित देश के टूरिस्ट गाइड राज्य क्षेत्र की भौगोलिक जानकारी के साथ-साथ सांस्कृतिक, ऐतिहासिक पर्यटन संबंधी जानकारी रखने के साथ ट्रेवल एजेंसी और बड़े-बड़े होटलों की जानकारी रखते हैं। देश में टूरिस्ट गाइड के लिए भारतीय पर्यटन और ट्रेवल विभाग से टूरिस्ट गाइड का लाइसेंस लेना होता है। लाइसेंस प्राप्त करने के लिए परीक्षा उत्तीर्ण करनी पड़ती है।

कोर्स और क्वालिफिकेशन – देश के अलग-अलग संस्थान टूरिज्म ट्रैवल एडमिनिस्ट्रेशन एंड मैनेजमेंट में शॉर्ट टर्म डिप्लोमा कोर्स संचालित करते हैं, जिसमें इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रैवल एंड टूरिज्म (आईआईटीएम) सबसे खास है, तो वहीं संबंधित राज्य व केंद्र सरकारों के पर्यटन विभाग भी टूरिस्ट गाइड ट्रेनिंग कोर्स आयोजित करते हैं। जिन्हें पास करने पर आपको सर्टीफाइड गाइड का लाइसेंस मिलता है। टूरिज्म के क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक युवाओं के लिए जरूरी है कि वे इस क्षेत्र में औपचारिक शिक्षा भी ग्रहण करें। देश में विभिन्न संस्थान एवं विश्वविद्यालय टूरिज्म में डिप्लोमा, बैचलर डिग्री एवं मास्टर्स डिग्री प्रदान करते हैं। डिप्लोमा कोर्स की अवधि अमूमन एक वर्ष होती है, जिसे ग्रेजुएशन के बाद किया जा सकता है। आईसीसीआर इस क्षेत्र में जूनियर फेलोशिप भी प्रदान करता है।

कॅरियर ऑप्शन – स्थानीय पर्यटन उद्योग, राष्ट्रीय पर्यटन उद्योग, होटल इंडस्ट्री, टैवल एजेंसी, एविएशन, कार्गो ऑपरेशन, हॉस्पिटेलिटी आदि में टूरिस्ट गाइड के लिए अवसर बाट जोह रहे हैं। टूरिज्म उद्योग के विस्तार से टूरिस्ट गाइड का स्कोप बढ़ा है। मेहनती, कुशल और ईमानदार युवा चाहें तो भारत की संपन्न विरासत से अपने लिए समृद्ध भविष्य की राह खोज सकते हैं। भारत सरकार भी अब ग्रामीण पर्यटन को बढावा देने के लिए कदम उठा रही है। पर्यटन मंत्रालय के अनुसार पिछले वर्ष देश भर में 66 लाख विदेशी सैलानी आए, जिनसे करीब 17 ।75 अरब डॉलर की कमाई हुई। मंत्रालय ने प्रत्येक वर्ष इनकी संख्या में 12 फीसदी बढोत्तरी का लक्ष्य रखा है ताकि वर्ष 2016 तक पर्यटन से विदेशी मुद्रा की

क्यों जरूरी है अपनी स्किल्स में इजाफा करना?

आप करियर के उस मुकाम पर खड़े हैं, जहां सोचते हैं कि अगले दस सालों में आप क्या करने जा रहे हैं? क्या कभी इस बात का भी अफसोस होता है कि आपने पढ़ाई के दौरान अलग-अलग विषयों का चुनाव क्यों नहीं किया, ताकि कुछ और पढ़ने या किसी दूसरी दिशा में करियर बनाने के बारे में सोच पाते? यदि इन प्रश्नों का उत्तर हां है तो यह समय है अपने पास मौजूद विकल्पों पर गंभीरता से विचार करने का। खुद की स्किल्स में निवेश करके अपने आप को आगे बढ़ाने का, री-स्किलिंग का।



क्या है स्किल्स में इजाफा करना?

शब्दकोष में री-स्किलिंग का अर्थ होगा, वह प्रशिक्षण और अनुभव, जिसके जरिए नई और बेहतर स्किल्स की जानकारी मिलती है। करियर में किसी उम्मीदवार में नई स्किल्स हासिल करने, सीखने और खुद को बदलने की क्षमता और इच्छा का होना बेहद अहम गुण माना जाता है। यह दूरदर्शिता होना कि करियर को आगे ले जाने के लिए किन स्किल्स की जरूरत होगी और उस दिशा में कदम बढ़ाना किसी उम्मीदवार के करियर को आगे ले जाने में मदद करता है। आईआईएम-बेंगलुरु में चाइनीज बिजनेस लैंग्वेज कोर्स पढ़ाने वाले प्रो. एस स्वामीनाथन कहते हैं, 'अपनी स्किल्स में इजाफा करने का अर्थ सक्रिय होकर केवल नई स्किल सीखना भर नहीं है। यह नौकरी से ब्रेक लेकर उच्च शिक्षा की ओर कदम बढ़ाना भी हो सकता है। उदाहरण के लिए कई आईआईएम केंद्रों में मंडारिन एक लोकप्रिय लैंग्वेज कोर्स बन कर उभरा है। वर्तमान में भारत-चीन एक-दूसरे से व्यापारिक रिश्तों को नकार नहीं सकते। विश्व अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण स्थान हासिल करने के लिए इस दिशा में कदम बढ़ाना जरूरी भी होगा। ऐसे में चाइनीज बिजनेस कोर्स की मदद से विद्यार्थी दोनों देशों में बन रहे आर्थिक समीकरणों में अपनी सकारात्मक भूमिका निभा सकते हैं।' कॉलेज के दौरान लिए गए विषय निश्चित तौर पर पसंदीदा जॉब हासिल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, पर ऐसे भी मामले मिलते हैं, जहां लोग संयोगवश दूसरे क्षेत्रों में करियर बना बैठते हैं या फिर अपने करियर के दौरान ऐसे फंस जाते हैं, जहां उनके लिए समझना मुश्किल हो जाता है कि अब वे किस ओर कदम बढ़ाएं। दो से तीन वर्ष नौकरी कर चुकने वाले विशेषज्ञता प्राप्त उम्मीदवार और बड़े अधिकारी भी यह मानते हैं कि बदलावों से गुरेज करना और अपनी स्किल्स को बढ़ाने का प्रयास न करना एक स्तर पर आकर उम्मीदवार की प्रगति को बाधित कर देता है। जिस तेजी से कार्यस्थल और उनकी नीतियां बदल रही हैं, यह पहले से भी जरूरी हो गया है कि उम्मीदवार खुद को उपयोगी बनाने की दिशा में कदम बढ़ाए। थोलोंस ग्लोबल इंस्टीट्यूट में एमडी अंकिता वशिष्ठ के अनुसार, 'जॉब मार्केट में खुद को रोजगार योग्य और उपयोगी बनाए रखना एक बड़ी चुनौती है। वर्कप्लेस पर बढ़ती विविधता और नित बदलती तकनीक ने कर्मचारियों पर नई तकनीक और कार्य प्रणाली को सीखने का दबाव बनाया है। उदाहरण के लिए, यदि कोई नई तकनीक मसलन बिग डाटा और एनालिटिक्स में करियर बनाना चाहता है तो उसके लिए स्टैटिस्टिक्स में क्रैश कोर्स करना फायदेमंद हो सकता है। एक परंपरागत मार्केटिंग व्यक्ति के लिए डिजिटल मार्केटिंग में अनुभव बढ़ाना लाभप्रद रहेगा। इसी तरह अन्य उम्मीदवार खुद को किसी ऑनलाइन कोर्स या डेवलमेंट प्रोग्राम से भी जोड़ सकते हैं।' ग्लोबल रिक्रूटमेंट फर्म केली सर्विसेज के हालिया अध्ययन के अनुसार विश्व परिदृश्य की तुलना में एशिया-प्रशांत क्षेत्र में बड़े स्तर पर कर्मचारी तेजी से उभरते बाजार में अपनी स्किल्स में इजाफा करने की इच्छा जता रहे हैं। 69% भारतीय कर्मचारी आगे बढ़ने के लिए उच्च शिक्षा और प्रशिक्षण हासिल करने के बारे में गंभीरता से सोच रहे हैं। यह संख्या यूरोप और अमेरिका की तुलना में अधिक है। पहले बैंकों में नौकरी में उन्हीं लोगों को रखा जाता था, जो पहले बैंक में नौकरी करते रहे हैं। इसी तरह एफएमसीजी कंपनियां भी इसी क्षेत्र के अनुभव को वरीयता देती थीं। पर वह समय बीत गया है। आज कंपनियां विविध क्षेत्रों में विशेषज्ञता रखने वालों को रखना पसंद करती हैं। यानी गतिशील बाजार में खुद को रोजगार योग्य बनाने व उच्च पदों को कुशलता से संभालने के लिए प्रशिक्षण हासिल करने की जरूरत होगी ही।'

रोचक तथ्य – 57 प्रतिशत प्रतिभागियों ने अपने वर्तमान नियोक्ता के पास ही पदोन्नति को ध्यान में रखते हुए अपनी स्किल्स में इजाफा करने की इच्छा जतायी। वहीं 47 प्रतिशत के अनुसार वे दूसरी कंपनी में जाने के लिए अपनी स्किल्स में इजाफा करना पसंद करेंगे।

70 प्रतिशत के अनुसार सबसे महत्वपूर्ण और उपयोगी स्किल नौकरी करते हुए हासिल की जा सकती है। उसके बाद 58 प्रतिशत ने शिक्षा और प्रशिक्षण को जरूरी बताया है। 26 प्रतिशत के अनुसार सेमिनार और वेबिनार से भी नई स्किल सीखने में मदद मिलती है। 42 प्रतिशत के

सेवा संकल्प अभियान के तहत खेलभांठा मैदान में नुक्कड़ नाटक और जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित

नशा मुक्त भारत के संदेश के साथ निकली जागरूकता रैली, मानव श्रृंखला बनाकर दिया नशामुक्ति का संदेश

संवाददाता ➤ सारंगढ़-बिलाईगढ़,

डिप्टी कलेक्टर राणा विजय ने दिलाई नशामुक्ति की शपथ, एनसीसी व स्कूली बच्चों ने उत्साह से लिया भाग

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 'सेवा के 25 वर्ष' थीम पर समाज कल्याण विभाग द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान के तहत खेलभांठा मैदान सारंगढ़ में विविध जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं एवं आम नागरिकों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए स्वस्थ और नशामुक्त समाज के निर्माण का संदेश दिया गया।



कार्यक्रम के दौरान नशामुक्ति विषय पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया, जिसमें नशे के कारण व्यक्ति, परिवार और समाज पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों को प्रभावी ढंग से प्रदर्शित किया गया। कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति के माध्यम से लोगों से नशे से दूर रहने और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने की अपील की।

इस अवसर पर खेलभांठा मैदान से नशा मुक्त भारत जागरूकता रैली भी निकाली गई। रैली में एनसीसी कैडेट्स, स्कूली छात्र-छात्राओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, स्वयंसेवी संस्थाओं तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों ने सहभागिता की और नशामुक्ति से जुड़े संदेशों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया।

खेलभांठा मैदान में प्रतिभागियों द्वारा मानव श्रृंखला बनाकर नशा मुक्त भारत का संदेश दिया गया। इस दौरान डिप्टी कलेक्टर राणा विजय ने उपस्थित लोगों को नशे से दूर रहने, अपने परिवार एवं समाज को नशामुक्त बनाने तथा नशामुक्ति के लिए जनजागरूकता बढ़ाने की शपथ दिलाई।

कार्यक्रम में समाज कल्याण विभाग से विनय तिवारी, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, एनसीसी के कैडेट्स, स्कूली छात्र-छात्राएं, सामाजिक कार्यकर्ता एवं विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय सहभागिता निभाने का संकल्प लिया।

भारत विकास परिषद गौरेला इकाई द्वारा राष्ट्रीय समूह गान प्रतियोगिता का सफल आयोजन

संवाददाता ➤ गौरेला

भारत विकास परिषद, गौरेला इकाई द्वारा राष्ट्रीय समूह गान प्रतियोगिता-2026 का आयोजन माँ कल्याणिका पब्लिक स्कूल के हंसवाहिनी ऑडिटोरियम में उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में किया गया। प्रतियोगिता में क्षेत्र के 7 विद्यालयों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन एवं वंदे मातरम् के साथ किया गया। विद्यार्थियों ने हिंदी एवं संस्कृत समूह गान की मनमोहक प्रस्तुतियाँ देकर राष्ट्रभक्ति, भारतीय संस्कृति एवं सामूहिकता की भावना का परिचय दिया।

प्रतियोगिता के परिणाम

प्रथम स्थान – DAV School, Sharbhera

द्वितीय स्थान – परमानन्द संस्कृत विद्यालय

तृतीय स्थान – माँ कल्याणिका पब्लिक स्कूल

विजेता विद्यालयों को पदक, प्रमाण-पत्र एवं स्मृति-चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सुश्री समीरा पैकरा जी रहीं तथा विशिष्ट अतिथि श्रीमती शैलजा स्वामी जी की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर श्री संजय द्विवेदी जी, पेंड्रा इकाई के अध्यक्ष श्री मनीराम केवट जी , श्री जयप्रकाश शिवदासानी जी, श्री उमेश अग्रवाल जी , गौरेला इकाई के पूर्व अध्यक्ष डॉ मोहन लाल चढार सहित पेंड्रा एवं गौरेला इकाई के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

अतिथियों ने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता में शामिल सभी विद्यालयों के



विद्यार्थियों ने अनुशासन, सामूहिक भावना और राष्ट्रप्रेम का परिचय देते हुए शानदार प्रस्तुतियाँ दीं।



भारत विकास परिषद, गौरेला इकाई के अध्यक्ष श्री भगवत प्रसाद सोनी जी एवं सचिव श्री राजकुमार अग्रवाल जी के मार्गदर्शन में कार्यक्रम का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

आयोजन की तैयारियों में श्री अशोक जैन जी, श्री अभय दुबे जी,श्री प्रमोद शर्मा जी, श्री गोपाल शुक्ला जी, श्री राहुल अग्रवाल जी, श्री मानस अग्रवाल जी ,श्रीमती सरिता राठौर जी सहित भारत विकास परिषद, गौरेला इकाई के समस्त सदस्यों उपस्थित थे।

कार्यक्रम का सफल एवं गरिमापूर्ण संचालन विजया उर्मिला दीदी जी द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के अंत में भारत विकास परिषद, गौरेला इकाई के सह-सचिव श्री मानस अग्रवाल जी द्वारा आभार एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। उन्होंने सभी अतिथियों, निर्णायकगण, विद्यालयों, प्रतिभागी विद्यार्थियों, शिक्षकगण, अभिभावकों एवं आयोजन में सहयोग देने वाले सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

भारत विकास परिषद, गौरेला इकाई ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम, संस्कार, अनुशासन एवं सामूहिक भावना को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

भारत विकास परिषद, गौरेला इकाई द्वारा सभी विजेता एवं प्रतिभागी विद्यालयों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी गईं।

स्वच्छता ही सेवा एवं सेवा संकल्प अभियान के तहत मुक्तिधाम में श्रमदान

श्रमदान कर स्वच्छ एवं सुंदर परिसर बनाए रखने का दिया संदेश

संवाददाता ➤ भटगांव,

स्वच्छता ही सेवा एवं सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत नगर पंचायत भटगांव के मुक्तिधाम, वार्ड क्रमांक 02 में सामूहिक श्रमदान एवं स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान जनप्रतिनिधियों, नगर पंचायत के अधिकारी-कर्मचारियों एवं आम नागरिकों ने मिलकर परिसर की साफ-सफाई एवं स्वच्छता कार्य किया।



इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष विक्रम कुर्रे , सभापति एवं वार्ड क्रमांक 04 पार्षद लीलाधर वैष्णव, वार्ड क्रमांक 02 पार्षद महादेवा यादव, वार्ड क्रमांक 08 पार्षद प्रतिनिधि रमाकांत पटेल सहित मुख्य नगर पालिका अधिकारी देव कुमार पटेल, जिला समन्वयक शुभम् नायक सफाई दरोगा सत्येंद्र सिंह बिसेन एवं नगर पंचायत के अधिकारी-कर्मचारी एवं आम नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने श्रमदान कर स्वच्छ एवं सुंदर परिसर बनाए रखने का संदेश दिया।

तिरुपति बालाजी से लौटने पर भाजपा पदाधिकारियों का नगर पंचायत में भव्य स्वागत



भटगांव। तिरुपति बालाजी के दर्शन करके लौटे भाजपा के जिला मंत्री रेवती चंद्र जी, मंडल अध्यक्ष धीरज दीक्षित जी एवं मंडल महामंत्री श्याम साहू जी का नगर पंचायत कार्यालय भटगांव में आत्मीय स्वागत किया गया।

नगर पंचायत अध्यक्ष विक्रम कुर्रे जी एवं समस्त पार्षदगण द्वारा श्रीफल एवं साल भेंट कर उनका सम्मान किया गया। इस अवसर पर नगर पंचायत के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।तिरुपति यात्रा से लौटे अतिथियों ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया और नगर के विकास में सबके सहयोग की बात कही।

स्वागत समारोह के दौरान नगर पंचायत कार्यालय में हर्ष का माहौल रहा।

नई शुरुआत

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देश पर जिला प्रशासन की अभिनव पहल, 17 सितंबर को मुख्यमंत्री ने किया था शुभारंभ

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने बेटियों संग अक्षरा जोन में किया पुस्तक अध्ययन, नागरिकों से पढ़ने की संस्कृति अपनाने का

प्रोजेक्ट `अक्षरा' के अंतर्गत तेलीबांधा तालाब में निःशुल्क रीडिंग जोन का संचालन

संवाददाता ➤ रायपुर

रायपुर, 3 अक्टूबर 2026/ मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देश पर रायपुर जिला प्रशासन द्वारा नागरिकों, विशेषकर बच्चों और युवाओं में पुस्तकों के प्रति रुचि बढ़ाने और पढ़ने की संस्कृति विकसित करने के उद्देश्य से 'प्रोजेक्ट अक्षरा' की अभिनव पहल की गई है। मुख्यमंत्री श्री साय ने 17 सितंबर को तेलीबांधा तालाब के स्त्री वॉक परिसर में बनाए गए 'अक्षरा जोन' का शुभारंभ किया था। आम नागरिकों के लिए 19 सितंबर से खुले इस रीडिंग जोन में कोई भी व्यक्ति निःशुल्क अपनी पसंद की पुस्तक पढ़ सकता है।



इसी पहल को जन-जन तक पहुंचाने और नागरिकों को पुस्तकों से जुड़ने का संदेश देने कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह स्वयं अपनी दोनों सुपुत्रियों के साथ अक्षरा जोन पहुंचे। उन्होंने अपना मोबाइल बाहर रखा और बेटियों के साथ बैठकर पुस्तकों का अध्ययन किया।

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की मंशा के अनुरूप जिले में ऐसी पहल की जा रही है, जिससे बच्चों, युवाओं और आम नागरिकों में अध्ययन एवं पठन-पाठन की संस्कृति को बढ़ावा मिले। आज मोबाइल हमारे दैनिक जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है, लेकिन कुछ समय मोबाइल और स्क्रीन से दूर रहकर पुस्तकों से जुड़ना भी आवश्यक है। किताबें ज्ञान बढ़ाने के साथ ही कल्पनाशक्ति, एकाग्रता और वैचारिक क्षमता को समृद्ध करती हैं। उन्होंने शहरवासियों से अक्षरा जोन का लाभ उठाने और पढ़ने की आदत को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आह्वान किया।

निःशुल्क एवं सरल व्यवस्था के तहत नागरिकों के लिए उपलब्ध है अक्षरा जोन

'अक्षरा जोन' की सबसे खास बात इसकी सहज और निःशुल्क व्यवस्था है। यहां पुस्तक पढ़ने के लिए किसी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाता। पाठक को केवल रजिस्टर में अपनी एंट्री करनी होती है। इसके बाद वह उपलब्ध पुस्तकों में से अपनी पसंद की किताब चुनकर वहीं बैठकर पढ़ सकता है। यह सुविधा प्रतिदिन सुबह 10 बजे से रात 11 बजे तक उपलब्ध है।

तेलीबांधा तालाब में सैर और मनोरंजन के लिए आने वाले नागरिकों के लिए अब किताबें भी आकर्षण का नया केंद्र बन रही हैं। कोई अपनी पसंद का साहित्य पढ़ सकता है तो कोई ज्ञानवर्धक पुस्तक के साथ समय बिता सकता है। बच्चों और युवाओं को भी मोबाइल स्क्रीन से अलग किताबों की दुनिया से जुड़ने के लिए यहां सहज वातावरण उपलब्ध हो रहा है।

सार्वजनिक स्थानों पर विकसित हो रही पढ़ने की संस्कृति

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देश पर शुरू किए गए 'प्रोजेक्ट अक्षरा' के माध्यम से जिला प्रशासन का प्रयास सार्वजनिक स्थानों को ज्ञान और अध्ययन से भी जोड़ना है। तेलीबांधा तालाब जैसे प्रमुख सार्वजनिक स्थल पर अक्षरा जोन की शुरुआत इसी सोच को साकार कर रही है। यह पहल शहर में 'रीडिंग कल्चर' विकसित करने के साथ नई पीढ़ी को मोबाइल की दुनिया से कुछ समय निकालकर पुस्तकों से दोस्ती करने के लिए प्रेरित कर रही है।